INFLIBNET

इनफ्लिबनेट न्यूज़लेटर

ISSN : 0971- 9849

खंड 33, अंक सं. 1 (जनवरी से मार्च 2026)

संपादक – मंडल

प्रो. देविका पी. माडल्ली
श्री पल्लब प्रधान
श्रीमती हेमा चोलिन
श्री मोहित कुमार

IndCat
https://indcat.inflibnet.ac.in/

SOUL
https://soul.inflibnet.ac.in/

VIDWAN
https://vidwan.inflibnet.ac.in/

e-ShodhSindhu
https://ess.inflibnet.ac.in/

N-LIST (E-resources for College)
https://nlist.inflibnet.ac.in/

InfiStats: Usage Statistics Portal for e-Resource
https://infistat.inflibnet.ac.in/

Indian Research Information Network System
https://irins.org/irins/

ShodhShuddhi
https://shodhshuddhi.inflibnet.ac.in/

Shodh-Chakra
https://shodhchakra.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET's Institutional Repository
https://ir.inflibnet.ac.in/

Shodhganga
https://shodhganga.inflibnet.ac.in/

ICT Skill Development Programmes
https://hrd.inflibnet.ac.in/

INFED
https://parichay.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET Learning Management Service
https://www.inflibnet.ac.in/ilms/

क्र.सं .	विषय सूची	पृष्ठ संख्या
1.	निदेशक की कलम से	1-4
2.	इन्फ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएँ/वेबिनार	5-17
3.	एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम	17-22
4.	भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई.एन.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम	22-24
5.	ऑर्सिड(ORCID) पर जागरूकता कार्यक्रम	24-25
6.	शोध-चक्र पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का एक प्रवेश द्वार	25-28
7.	इन्फ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (आई.एल.एम.एस) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	29-29
8.	नई परियोजनाएँ/गतिविधियाँ	29-31
9.	इन्फ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति	31-39
10.	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच	40-41
11.	अन्य उल्लेखनीय घटनाएँ और गतिविधियाँ	41-51
12.	स्टाफ समाचार / कर्मचारी समाचार	51-53
13.	आगंतुक	53-59
14.	क्षेत्रीय समाचार/सोशल मीडिया में इन्फ्लिबनेट	60-60

निदेशक की कलम से,

(प्रिय पाठको)

मुझे वर्ष 2026 की प्रथम तिमाही के लिए इन्फ्लिबनेट केंद्र की त्रैमासिक समाचार-पत्रिका (न्यूज़लेटर) को आप सब के समक्ष प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह तिमाही व्यापक संस्थागत सहभागिता, क्षमता निर्माण पहलों तथा नए मंचों (प्लेटफ़ॉर्म) के शुभारंभ से परिपूर्ण रही है, जिसने देश के उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान अवसंरचना में इन्फ्लिबनेट केंद्र के योगदान को और अधिक सुदृढ़ व विस्तृत किया है।

इस अवधि के दौरान, केंद्र ने 27 फरवरी 2026 को "ज्ञान के मार्गों को खोलना" (ओपनिंग नॉलेज पाथवेज) विषय-वस्तु (थीम) पर आधारित अपने वार्षिक 'ओपन डे' का सफल आयोजन किया। इस भव्य आयोजन में केंद्र द्वारा विकसित नवीनतम तकनीकी मील के पत्थरों, अभिनव शैक्षणिक मंचों तथा अनुसंधान पहलों को प्रतिभागियों के समक्ष सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में 'इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी' (ICGEB) के आर्टुरो फलास्ची एमेरिटस वैज्ञानिक तथा 'इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस', दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित अतिथि प्रोफेसर, वी. एस. चौहान की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रो. चौहान ने इस अवसर पर केंद्र की चार नई प्रमुख परियोजनाओं का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया, जो निम्नलिखित हैं: "शोधप्रभा: भारतीय पेटेंटों का शैक्षणिक भंडार", "इन्फीमीट (InfyMEET): सम्मेलन/कार्यशाला घोषणा मंच", "शोधगंगा 2.0 (बीटा) संस्करण" और "ओपन सोल (बीटा) संस्करण"। ये सभी पहलें नवाचार को बढ़ावा देने और शैक्षणिक दृश्यता (डिस्कवरेबिलिटी) में सुधार करने के प्रति केंद्र के निरंतर प्रयासों को प्रतिबिंबित करती हैं। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के दौरान केंद्र द्वारा 'एक राष्ट्र एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) पहल की पहली ऐतिहासिक वर्षगाँठ भी मनाई गई।

मुझे यह साझा करते हुए भी अत्यंत हर्ष हो रहा है कि 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर 'निदेशक के ब्लॉग' की शुरुआत की गई है। यह ब्लॉग शैक्षणिक एवं पुस्तकालय समुदाय के साथ इन्फ्लिबनेट की नवीनतम गतिविधियों, सेवाओं और चल रही पहलों के संबंध में संवाद स्थापित करने के लिए एक संवादात्मक (इंटरैक्टिव)

और सूचनात्मक मंच के रूप में कार्य करेगा। इस अवधि के दौरान, केंद्र ने 6 मार्च 2026 को डी.ई.एस. पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में 'रेजोनेंस 2026' के एक भाग के रूप में "भारतीय अनुसंधान अवसंरचना में सिमेंटिक इंटरऑपरेबिलिटी को आगे बढ़ाना" विषय पर एक 'इन्फ्लिबनेट कॉन्क्लेव' का आयोजन किया। जहाँ मुख्य रूप से भारत के अनुसंधान सूचना पारितंत्र को सुदृढ़ करने के लिए सिमेंटिक इंटरऑपरेबिलिटी और नॉलेज ग्राफ़ प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने पर गहन विचार-विमर्श किया गया।
इस तिमाही में केंद्र की प्रमुख सेवाओं ने भी प्रभावशाली प्रगति दर्ज की है। ओ.एन.ओ.एस. (ओ.एन.ओ.एस.) के अंतर्गत द्वितीय चरण (फेज-II) के कार्यान्वयन हेतु गैर-सरकारी संस्थानों के लिए सदस्यता सर्वेक्षण (सब्सक्रिप्शन सर्वे) का कार्य आगे बढ़ाया गया। वहीं विद्वान (VIDWAN), आई.आर.आई.एन.एस. (आई.आर.आई.एन.एस.), शेरनी (शेरनी (SheRNI)) और लिब-वाहिनी (LIB-VAHINI) जैसी प्रमुख सेवाओं ने अपने दायरे और प्रभाव का निरंतर विस्तार किया है। इस प्रतिवेदित अवधि तक 'विद्वान' पर 3,59,949 से अधिक विशेषज्ञ संकाय सदस्यों की विस्तृत प्रोफ़ाइल उपलब्ध हैं; विभिन्न संस्थानों के लिए कुल 1,926 आई.आर.आई.एन.एस. इंस्टेंस स्थापित किए जा चुके हैं (जिसमें केवल इसी तिमाही के दौरान बनाए गए 96 नए इंस्टेंस शामिल हैं); 'शेरनी' नेटवर्क पर 1,26,000 से अधिक महिला विशेषज्ञों की प्रोफ़ाइल उपलब्ध हैं; तथा 'लिब-वाहिनी' मंच पर 3,200 से अधिक पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (LIS) पेशेवर जुड़े हुए हैं। शोध-चक्र परियोजना के अंतर्गत 59 नए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) के माध्यम से विभिन्न संस्थानों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। साथ ही, 'शोधगंगा' भारतीय शोध-प्रबंधों के मुख्य राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक भंडार के रूप में निरंतर समृद्ध हो रही है, जिसमें इस प्रतिवेदित अवधि तक कुल 6,67,084 पूर्ण-पाठ शोध-प्रबंध अपलोड किए जा चुके हैं (जिनमें 19,376 शोध-प्रबंध केवल इसी तिमाही के दौरान जोड़े गए)। अब तक शोधगंगा के उपयोग हेतु इन्फ्लिबनेट केंद्र के साथ कुल 1,039 संस्थानों (924 विश्वविद्यालय और 115 केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थान/राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान (CFTIs/INIs)) ने समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) संपादित किया है, जिनमें से 19 विश्वविद्यालयों को केवल इसी तिमाही के दौरान जोड़ा गया है। इसके अतिरिक्त, 'शोधगंगा 2.0 बीटा' संस्करण का शुभारंभ मंच की गति, पहुंच और कार्यकुशलता में सुधार की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवधि के दौरान, केंद्र ने अपने नियमित जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान केंद्रित रखा। इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में विभिन्न कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला का सफल निष्पादन किया गया, जिनमें "सोल सॉफ्टवेयर प्रैक्टिकल" पर दो-दिवसीय विशेष कार्यशाला, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (CCRH) के वैज्ञानिकों के लिए 'बिब्लियोमेट्रिक्स और रिसर्च आउटपुट एनालिसिस' पर विशेष प्रशिक्षण

कार्यक्रम, "सोल 3.0: इंस्टॉलेशन और ऑपरेशन्स" पर दो (02) प्रशिक्षण कार्यक्रम, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)/अंतरिक्ष विभाग (DoS) के पुस्तकालय कर्मचारियों के लिए दो (02) विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम, तथा 'अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली' (RIMS) पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला शामिल है।

राष्ट्रीय स्तर पर ओ.एन.ओ.एस. के व्यापक क्रियान्वयन और उसे बढ़ावा देने के उद्देश्य से ओ.एन.ओ.एस. तकनीकी टीम द्वारा व्यापक उपयोगकर्ता जागरूकता अभियान संचालित किए गए। इसके अंतर्गत "ओ.एन.ओ.एस. एवं इन्फ्लिबनेट गतिविधियाँ" विषय पर सात (07) ऑफ़लाइन जागरूकता कार्यक्रम, ओ.एन.ओ.एस. के विभिन्न मॉड्यूल पर आधारित 11 विशेष वेबिनार, तथा प्रकाशकों के साथ मिलकर 16 सहयोगात्मक सत्रों (पब्लिशर सेशन्स) का आयोजन किया गया। ओ.एन.ओ.एस. योजना के जमीनी प्रभाव को रेखांकित करते हुए, 27 फरवरी 2026 को 'इन्फ्लिबनेट ओपन डे 2026' के अवसर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले संस्थान, 'कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग त्रिवेंद्रम, केरल' को 'उपयोगकर्ता पुरस्कार' (Usage Award) से सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त, प्रतिवेदित अवधि के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा विद्वान-आई.आर.आई.एन.एस. पर सात (07) संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा तीन (03) वेबिनार आयोजित किए गए, साथ ही छह (06) एक-दिवसीय जागरूकता-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संपन्न हुए। इसके साथ ही, शोध-चक्र परियोजना के अंतर्गत सात (07) संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम, चौदह (14) नोडल बैठकें (Nodal Meetings) और शोधार्थियों व शोध-निर्देशकों (गाइड) की बैठकें आयोजित की गईं। इस तिमाही में इन्फ्लिबनेट शिक्षण प्रबंधन प्रणाली (ILMS) पर भी दो (02) प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए गए।

यह तिमाही राष्ट्रीय आउटरीच (पहुंच) और सहयोगात्मक पहलों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण रही। केंद्र ने बीदर विश्वविद्यालय, बिहार इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र सरकार (MahaRankings प्लेटफॉर्म हेतु), आंध्र प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद (APSCHE) व आंध्र प्रदेश के सभी राजकीय सार्वजनिक विश्वविद्यालयों तथा महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार के साथ समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर किए। ये सहयोगात्मक प्रयास देश के विभिन्न संस्थानों और राज्यों में डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं, अनुसंधान सहायता प्रणालियों, शैक्षणिक संसाधनों को साझा करने की व्यवस्था, संस्थागत रैंकिंग और अनुसंधान अवसंरचना के विकास को सुदृढ़ करने में मील का पत्थर साबित होंगे।

संस्थान परिसर में हमने ज्ञान, रचनात्मकता और समावेशिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए बसंत पंचमी, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस और कंप्यूटर में यूनिकोड टाइपिंग के विशेष प्रशिक्षण सत्र सहित 'राजभाषा हिंदी कार्यक्रम' का सफल आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर केंद्र की आंतरिक शिकायत

समिति (ICC) द्वारा 120 कर्मचारियों के लिए एक अत्यंत सफल संवेदीकरण कार्यक्रम (Sensitization Programme) का संचालन किया गया।

मुझे यह साझा करते हुए भी अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि श्री राजा वी., वैज्ञानिक-डी (कंप्यूटर विज्ञान) और श्री सागर भीमराव गजबे, वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान) का इन्फ्लिबनेट परिवार में आगमन हुआ है, मैं केंद्र में उनका हार्दिक स्वागत करता हूँ। मैं इन्फ्लिबनेट के अपने सभी सहयोगियों और अधिकारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके अथक परिश्रम और समर्पण से यह तिमाही अत्यंत उत्पादक और सार्थक सिद्ध हुई। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं और वर्ष 2026 की आगामी तिमाहियों की ओर देख रहे हैं, इन्फ्लिबनेट केंद्र संसाधनों तक समान पहुंच, विश्वसनीय डिजिटल सेवाओं और निरंतर क्षमता निर्माण के माध्यम से भारत के उच्च शिक्षा और अनुसंधान समुदाय के प्रति अपने सेवा-भाव के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेगा।

धन्यवाद !

प्रो. देविका पी. माडल्ली
निदेशक, इन्फ्लिबनेट केंद्र

इन्फ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएँ/वेबिनार

सोल सॉफ्टवेयर पर दो-दिवसीय व्यावहारिक कार्यशाला, इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, 19 से 20 जनवरी 2026

इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा 19 से 20 जनवरी 2026 तक केंद्र परिसर में **सोल सॉफ्टवेयर** पर दो दिवसीय प्रायोगिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन इन्फ्लिबनेट केंद्र की निदेशक **प्रो. देविका पी. माडल्ली** द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता **प्रो. ए. आर. डी. प्रसाद**, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, डीआरटीसी, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, बेंगलुरु ने की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्लाउड-आधारित **सोल सॉफ्टवेयर** के परीक्षण के साथ-साथ इसके और अधिक उन्नयन हेतु विशेषज्ञों के सुझाव, विशेषज्ञ राय तथा उपयोगकर्ताओं से प्राप्त फीडबैक एकत्र करना था। देशभर के विभिन्न संस्थानों से विभिन्न **एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन प्रणालियों (ILMS)** का उपयोग करने वाले 20 आमंत्रित पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (LIS) पेशेवरों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।कार्यक्रम का समन्वयन इन्फ्लिबनेट केंद्र के पूर्व वैज्ञानिक-ई **डॉ. एच. जी. होसमनी** द्वारा किया गया।

चित्र-1: दो-दिवसीय सोल व्यावहारिक कार्यशाला का समूह फोटो

बिब्लियोमेट्रिक्स एवं अनुसंधान प्रकाशन विश्लेषण' विषय पर CCRH के वैज्ञानिकों के लिए तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला, इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, 28–30 जनवरी 2026

इस श्रृंखला का तीसरा कार्यक्रम, 'बिब्लियोमेट्रिक्स एवं अनुसंधान आउटपुट विश्लेषण' विषय पर तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला, 28 से 30 जनवरी 2026 तक इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्र की प्रशिक्षण प्रयोगशाला में श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.) द्वारा किया गया। होम्योपैथी अनुसंधान की केंद्रीय परिषद (CCRH) की प्रयोगशालाओं से देश के बारह राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले तीस (30) वैज्ञानिकों ने इस प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

चित्र-2: CCRH के वैज्ञानिकों के लिए 'बिब्लियोमेट्रिक्स (Bibliometrics) और अनुसंधान आउटपुट विश्लेषण' पर प्रशिक्षण कार्यशाला का समूह फोटो

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र के संकाय सदस्यों एवं विषय विशेषज्ञयों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	विषय	विषय विशेषज्ञ
1	इन्फ्लिबनेट गतिविधियाँ और सेवाएँ	श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)
2	अनुसंधान अनुसंधान प्रभाव संकेतक: गणना और संदर्भ	श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
3	उन्नत खोज तकनीकें – WoS (प्रदर्शन)	क्लैरिवेट टीम
4	वेब ऑफ साइंस की उन्नत खोज तकनीकें (व्यावहारिक)	क्लैरिवेट टीम द्वारा व्यावहारिक सत्र
5	उन्नत खोज तकनीकें – स्कोपस (प्रदर्शन)	एल्सेवियर-स्कोपस टीम
6	स्कोपस की उन्नत खोज तकनीकें (व्यावहारिक)	एलसेवियर-स्कोपस टीम द्वारा व्यावहारिक सत्र
7	उद्धरण विश्लेषण से परे: ऑल्टमेट्रिक्स	श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
10	बिब्लियोशाइनी: बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण के लिए एक आर जीयूआई (प्रदर्शन)	श्री हितेश सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)
11	बियोब्लोशिनी: बियोमेट्रिक विश्लेषण के लिए एक आर जीयूआई (व्यावहारिक)	व्यावहारिक अभ्यास टीम
12	ऑर्सिड(ORCID) के संदर्भ में शैक्षणिक पहचान	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)

13	VOS व्यूअर का उपयोग करके उन्नत उद्धरण विश्लेषण और दृश्यांकन	श्री हितेश सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)

180वां पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "सोल3.0: इंस्टॉलेशन और संचालन", इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, 2 से 6 फरवरी 2026

चित्र-3: 180वें सोल3.0: इंस्टॉलेशन और संचालन कार्यक्रम की झलकियाँ

"सोल 3.0: इंस्टॉलेशन और संचालन" पर 180वां पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 2 से 6 फरवरी 2026 तक, इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित किया गया था। माननीय निदेशक, प्रो. देविका पी. मडल्ली ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) श्रीमती हेमा चोलिन और एसटीओ (एल.एस.) श्रीमती आरती सावले क्रमशः पाठ्यक्रम समन्वयक और सह-समन्वयक थीं। कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों के लाभ के लिए गांधीनगर और अहमदाबाद में एक स्थानीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। कुल 12 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

समापन सत्र में, श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), इन्फ्लिबनेट केंद्र ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए, और सोल में अपनी अंतर्दृष्टिपूर्ण यात्रा और अनुभव साझा किए। सुश्री हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

इन्फ्लिबनेट केंद्र के कर्मचारी सदस्यों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	विषय	विषय विशेषज्ञ
1	इन्फ्लिबनेट गतिविधियाँ और सेवाएँ	श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)
2	प्रशासन मॉड्यूल	श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)
3	कैटलॉग मॉड्यूल	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
4	परिसंचरण मॉड्यूल	श्रीमती हेमा कोलिन, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.)
5	अधिग्रहण मॉड्यूल	डॉ. एच जी होसामनी, सलाहकार (एल.एस.)
6	सीरियल नियंत्रण मॉड्यूल	श्रीमती अर्ती सावले, एसटीओ-I (एल.एस.)
7	सोल 3.0 इंस्टॉलेशन	श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)
8	सोल 3.0 वेब ओपैक और बैकअप	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
9	सभी मॉड्यूल का व्यावहारिक	श्री विराज परेक, पुस्तकालय अधिकारी (एल.एस.) सुश्री रोज़ मैरी, पुस्तकालय अधिकारी (एल.एस.) श्री राजन पांडे, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.) सुश्री शिजिना, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.) सुश्री सतीश कुमार, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.)

तीन दिवसीय 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार के पुस्तकालय कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम', इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, 09 से 13 फरवरी 2026

"भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO), अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार के पुस्तकालय कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम" नामक एक पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला 09 से 13 फरवरी 2026 तक इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित की गई, जो इस श्रृंखला में ISRO, DoS, GoI के साथ पहला नियोजित सहयोगी कार्यक्रम था। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्र की प्रशिक्षण प्रयोगशाला में इन्फ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. मडल्ली ने किया। कार्यशाला में ISRO, DoS के 15 केंद्रों के 22 पुस्तकालय पेशेवरों ने भाग लिया, जो देश के सात राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

चित्र-4: इसरो, डीओएस, जीओआई के लिए प्रथम विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियाँ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र के संकाय और विषय विशेषज्ञयों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	**विषय**	**विषय विशेषज्ञ**
1	इन्फ्लिबनेट गतिविधियाँ एवं सेवाएँ	श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)
2	उद्धरण विश्लेषण से परे: ऑल्टमेट्रिक्स	श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
3	ओ.एन.ओ.एस. और उपयोग सांख्यिकी प्रबंधन	श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
7	एआई का उपयोग: खोज, चैटबॉट और डिजिटल अभिलेखीकरण के लिए पुस्तकालय अनुप्रयोगों का डिज़ाइन	श्री भावेश पटेल, IIMA

8	प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग का परिचय	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
9	अनुसंधान नैतिकता और साहित्यिक चोरी के मुद्दों का परिचय	श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)
10	वर्गीकरण और सूचीकरण (MARC, RDA आदि)	श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
11	लेखक की शैक्षणिक पहचान और ऑर्सिड(ORCID)	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
12	लिनक्स के साथ शुरुआत: वातावरण और बुनियादी कमांड	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
13	ओपन-सोर्स सॉफ़्टवेयर: DSpace का उपयोग करके संस्थागत रिपॉजिटरी (IR) का निर्माण और प्रबंधन (सिद्धांत)	श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.)
14	R/Jamovi का उपयोग करके अनुसंधान और डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय विधियाँ (सिद्धांत)	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)
15	R/Jamovi का उपयोग करके अनुसंधान और डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय विधियाँ (व्यावहारिक)	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)
16	सामग्री प्रबंधन के लिए ड्रूपल का परिचय	डॉ. मितेशकुमार पांड्या, उप-पुस्तकालयाध्यक्ष, एनएफएसयू, गांधीनगर
17	SAC और PRL पुस्तकालयों का दौरा	
18	VOS व्यूअर/biblioShiny का उपयोग करके उन्नत उद्धरण विश्लेषण और दृश्यांकन (सिद्धांत)	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
19	प्रतिलिपि सूचीकरण और प्रतिलोम रूपांतरण	श्री धर्मेशकुमार शाह, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)
20	अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली (RIMS): आई.आर.आई.एन.एस. और शेरनी (SheRNI)	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)
21	आई.आर.आई.एन.एस.: डेटा क्यूरेशन और प्रोफ़ाइल निर्माण	आई.आर.आई.एन.एस. टीम द्वारा व्यावहारिक

22	VOS व्यूअर/बिब्लियोशैनी का उपयोग करके उन्नत उद्धरण विश्लेषण और दृश्यांकन (व्यावहारिक)	डॉ. रोमा अस्नानी, एसटीओ-आई (एल.एस.)
23	ई-लर्निंग: सामग्री निर्माण और होस्टिंग	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.)
24	इन्फेड का परिचय	श्री राजा वी., वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)
25	अनुसंधान एवं विकास के लिए पेटेंट सूचना संसाधन	श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
26	संदर्भ प्रबंधन उपकरणों का उपयोग: मेंडेली और ज़ोटेरो	श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)

तीन-दिवसीय 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार के पुस्तकालय कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम', इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, 16 से 20 फरवरी 2026

इस श्रृंखला का दूसरा कार्यक्रम, "भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार के पुस्तकालय कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम" नामक पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला, 16 से 20 फरवरी 2026 तक इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्र की प्रशिक्षण प्रयोगशाला में इन्फ्लिबनेट केंद्र की निदेशक, प्रो. देविका पी. मडलाइ द्वारा किया गया। कार्यशाला में 11 इसरो केंद्रों से आए छब्बीस (26) पुस्तकालय पेशेवरों ने भाग लिया, जो पांच राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इसरो संगठन और प्रयोगशालाओं के भीतर पेशेवर क्षमताओं को मजबूत करना और उन्नत पुस्तकालयों तथा सूचना सेवाओं के प्रभावी उपयोग को बढ़ाना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र के संकाय और विषय विशेषज्ञयों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	**विषय**	**विषय विशेषज्ञ**
1	इन्फ्लिबनेट गतिविधियाँ और सेवाएँ	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.)
2	बिब्लियोशाइनी: बियोमेट्रिक विश्लेषण के लिए एक आर जीयूआई (सिद्धांत)	श्री हितेश सोलंकी, वैज्ञानिक- सी (सी.एस.)

3	बियोबिलिशिनी: बियोमेट्रिक विश्लेषण के लिए एक आर जीयूआई (प्रदर्शन)	डॉ. रोमा अस्नानी, एसटीओ-I (एल.एस.)
4	प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग का परिचय	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
5	एआई का उपयोग: खोज, चैटबॉट्स और डिजिटल अभिलेखीकरण के लिए पुस्तकालय अनुप्रयोगों का डिज़ाइन	श्री भावेश पटेल, आईआईएमए
6	वीओएसव्यूअर (VOSviewer) का उपयोग करते हुए उन्नत उद्धरण विश्लेषण एवं दृश्यांकन (सिद्धांत एवं प्रदर्शन)	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
7	सैक (SAC) एवं पीआरएल (PRL) पुस्तकालयों का भ्रमण	
8	आर/जमोवी का उपयोग करते हुए अनुसंधान एवं डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय विधियाँ (सिद्धांत)	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)
9	आर/जमोवी (R/Jamovi) का उपयोग करते हुए अनुसंधान एवं डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय विधियाँ (प्रायोगिक)	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)
10	सामग्री प्रबंधन के लिए ड्रूपल का परिचय	डॉ. मितेशकुमार पांड्या, उप-पुस्तकालयाध्यक्ष, एनएफएसयू, गांधीनगर
11	वर्गीकरण एवं सूचीकरण (मार्क (MARC), आरडीए (RDA) आदि)	श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
12	ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर डीस्पेस (DSpace) का उपयोग करते हुए संस्थागत रिपॉजिटरी (IR) का सृजन एवं प्रबंधन (सिद्धांत)	श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.)
13	संदर्भ प्रबंधन उपकरणों का उपयोग: मेंडेली (Mendeley) एवं ज़ोटेरो (Zotero)	श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
14	शैक्षणिक प्रकाशन में ऑल्टमेट्रिक्स और जर्नल फाइंडर टूल्स	श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
15	अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली (RIMS): आई.आर.आई.एन.एस. और शेरनी (SheRNI)	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)

16	लिनक्स के साथ शुरुआत: वातावरण और बुनियादी कमांड	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
17	इन्फेड और ओ.एन.ओ.एस. का परिचय	श्री राजा वी., वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)
18	ई-लर्निंग: सामग्री निर्माण और होस्टिंग	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.)
19	प्रतिलिपि सूचीकरण और प्रतिलोम रूपांतरण	श्री धर्मेशकुमार शाह, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)
20	लेखक शैक्षणिक पहचान और ऑर्सिड(ORCID)	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
21	अनुसंधान एवं विकास के लिए पेटेंट सूचना संसाधन	श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)

चित्र-5: ISRO, DoS, GoI के लिए दूसरे विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियाँ।

तीन-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली (RIMS) पर, इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, 11 से 13 मार्च 2026

11 से 13 मार्च 2026 तक इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में रिसर्च इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम (RIMS) पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में RIMS को लागू करने और प्रबंधित करने के लिए व्यापक ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन 11 मार्च 2026 को श्री यात्रिक आर. पटेल, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), इन्फ्लिबनेट केंद्र, के प्रशिक्षण प्रयोगशाला में किया गया। कार्यशाला में देश के सात राज्यों से आए 26 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

चित्र-6: RIMS कार्यशाला की झलकियाँ

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र के संकाय और विषय विशेषज्ञयों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	विषय	विषय विशेषज्ञ
1	इन्फ्लिबनेट गतिविधियाँ और सेवाएँ	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.)
2	अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली (RIMS): एक अवलोकन	डॉ. कन्नन पी, पुस्तकालयाध्यक्ष, IITGN
3	आई.आर.आई.एन.एस.: भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
4	ऑर्सिड(ORCID) के संदर्भ में शैक्षणिक पहचान	श्री हितेशकुमार सोलंकी,

		वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
5	बिब्लियोमेट्रिक संकेतकों का उपयोग करके लेखक के शोध प्रदर्शन का आकलन और मूल्यांकन	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
6	सीआरआईएस/आईआरआईएनएस मानक, मेटाडेटा, और डेटा स्रोत	श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
7	अनुसंधान डेटा प्रबंधन: एक अवलोकन	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
8	अनुसंधान डेटा के लिए प्रबंधन योजना	श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.)
9	ओ.एन.ओ.एस.: पहुँच, उपयोगकर्ता प्रबंधन, और उपयोग की निगरानी	श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
10	शेरनी (SheRNI), विद्वान, आई.आर.आई.एन.एस., LIB-VAHINI: डेटा क्यूरेशन और प्रोफ़ाइल निर्माण	आई.आर.आई.एन.एस. टीम द्वारा व्यावहारिक
11	आई.आर.आई.एन.एस. एनालिटिक्स और नोडल अधिकारी डैशबोर्ड	आई.आर.आई.एन.एस. टीम द्वारा व्यावहारिक
12	भारतीय एक्सेस मैनेजमेंट फेडरेशन (इन्फेड)	श्री राजा वी., वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
13	अनुसंधान एवं विकास के लिए पेटेंट सूचना संसाधन	श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
14	स्थायी पहचानकर्ता - अनुसंधान दृश्यता और प्रभाव	डॉ. मितेशकुमार पांड्या, उप-पुस्तकालयाध्यक्ष, एनएफएसयू, गांधीनगर
15	शोध-चक्र: विद्वान प्रोफाइल और संसाधन प्रबंधन प्रणाली	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.)

181वां पाँच दिवसीय ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम "सोल 3.0: इंस्टॉलेशन और संचालन", इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, 23 से 27 मार्च 2026

181वां पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "सोल 3.0: इंस्टॉलेशन और संचालन" 23 से 27 मार्च 2026 तक इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित किया गया। श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.), और श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.), ने क्रमशः तकनीकी

समन्वयक, पाठ्यक्रम समन्वयक और संयुक्त समन्वयक के रूप में कार्य किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.), इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा किया गया। श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का अवलोकन प्रस्तुत किया। उद्घाटन सत्र के दौरान धन्यवाद प्रस्ताव का प्रस्ताव सुश्री हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.) द्वारा रखा गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों के लाभ के लिए, गांधीनगर और अहमदाबाद में एक स्थानीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया।

चित्र-7: 181वें सोल प्रशिक्षण की झलकियाँ

समापन सत्र के दौरान, प्रो. देविका पी. मडलाइ, निदेशक, इन्फ्लिबनेट केंद्र, ने सभा को संबोधित किया और कार्यक्रम पर सकारात्मक समापन टिप्पणी देते हुए अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। सुश्री शिवानी ठाकुर, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.), ने समापन पर औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

इन्फ्लिबनेट केंद्र के स्टाफ सदस्यों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	मॉड्यूल	विषय विशेषज्ञ
1	इन्फ्लिबनेट गतिविधियाँ एवं सेवाएँ	डॉ. एच. जी. होसामनी, सलाहकार (एल.एस.)
2	प्रशासन मॉड्यूल	श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)
3	कैटलॉग मॉड्यूल	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
4	परिसंचरण मॉड्यूल	श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
5	अधिग्रहण मॉड्यूल	डॉ. एच. जी. होसामनी, सलाहकार (एल.एस.)
6	सीरियल नियंत्रण मॉड्यूल	श्रीमती अर्ती सावले, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.)

7	सोल 3.0 इंस्टॉलेशन	श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)
8	सोल 3.0 वेब ओपैक और बैकअप	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
9	सभी मॉड्यूल का व्यावहारिक	सुश्री सावित्री देवी, एसटीए-I (एल.एस.) श्री विराज परेक, पुस्तकालय अधिकारी (एल.एस.) श्रीमती रोज़ मैरी, पुस्तकालय अधिकारी (एल.एस.) श्री राजन पांडे, पुस्तकालय अधिकारी (एल.एस.) सुश्री शिजिना, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.) श्री सतीश कुमार, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.)

एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने प्रकाशकों के साथ ओ.एन.ओ.एस. पर निम्नलिखित उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम (ऑफलाइन और वेबिनार) और सहयोगात्मक वेबिनार आयोजित किए, जिसमें ओ.एन.ओ.एस. कॉलेज प्रशासक और एक्सेस   जैसे सत्र शामिल थे। इन पहलों के माध्यम से, ओ.एन.ओ.एस. जागरूकता बढ़ाना, उपयोगकर्ताओं के कौशल में सुधार करना, और देश भर में डिजिटल शैक्षणिक संसाधनों के कुशल उपयोग को बढ़ावा देना जारी रखता है।

एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) और इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम (ऑफ़लाइन)

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में ओ.एन.ओ.एस. और इन्फ्लिबनेट गतिविधियों पर सात (07) ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

क्र. सं.	संस्थान/विश्वविद्यालय का नाम	विशेषज्ञ का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	प्रशिक्षण का तरीका	प्रतिभागियों की संख्या
1	गुलबर्गा विश्वविद्यालय, गुलबर्गा	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), और डॉ. रोमा असनानी, एसटीओ (एल.एस.)	06.01. 2026	ऑफ़लाइन	400

2	राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ परिसर, धारवाड़, कर्नाटक	श्री राजा वी., वैज्ञानिक-सी (सी.एस.), और डॉ. मितेशकुमार पांड्या, उप-पुस्तकालयाध्यक्ष, एनएफएसयू गांधीनगर	12.01. 2026	ऑफ़लाइन	86
3	आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.), और श्री राजा वी., वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)	22.01.2026	ऑफ़लाइन	222
4	महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.), और श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)	20.02. 2026	ऑफ़लाइन	79
5	इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर	ओ.एन.ओ.एस. टीम	26.02.2026	ऑफ़लाइन	50
6	बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ, उत्तर प्रदेश	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.), और श्रीमती रोशनी यादव, एसटीओ (एल.एस.)	10.03 2026	ऑफ़लाइन	217
7	संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा	श्री राजा वी., वैज्ञानिक-सी (सी.एस.), और श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	23.03 2026	ऑफ़लाइन	220

26 फरवरी 2026 को, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने अपने गांधीनगर, गुजरात स्थित परिसर में ओ.एन.ओ.एस. वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओ.एन.ओ.एस.) पर एक उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम की मेजबानी की। उद्घाटन सत्र के दौरान, प्रो. देविका पी मडलाइ, निदेशक, इनफ्लिबनेट ने सबसे पहले सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में, उन्होंने देश के शिक्षा और अनुसंधान समुदाय के लिए ओ.एन.ओ.एस. परियोजना के महत्व पर जोर दिया और इसकी शुरुआत के बाद से पिछले वर्ष में ओ.एन.ओ.एस. की यात्रा प्रस्तुत की। उन्होंने प्रतिनिधियों को

इसका अधिकतम उपयोग करने के लिए स्पष्ट रूप से प्रोत्साहित किया, साथ ही संगठनात्मक स्तर पर अपने समुदायों के भीतर ओ.एन.ओ.एस. के बारे में जागरूकता पैदा करने और उसे बढ़ाने के लिए भी कहा।

चित्र-8: इन्फ्लिबनेट केंद्र में ओ.एन.ओ.एस. पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम की झलकियाँ

उपरोक्त के अलावा, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने निम्नलिखित विश्वविद्यालयों/संस्थानों के सहयोग से ओ.एन.ओ.एस. पर ऑन-साइट उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए:

1. कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, 06 जनवरी 2026 को।
2. बिदर विश्वविद्यालय, कर्नाटक, 08 जनवरी 2026
3. राणी चन्नम्मा विश्वविद्यालय, बेलगावी, 12 जनवरी 2026

ओ.एन.ओ.एस. पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम (वेबिनार)

इस अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा कॉलेज प्रशासन और ओ.एन.ओ.एस. के तहत ई-संसाधनों तक पहुंच सहित विभिन्न विषयों पर 11 वेबिनार आयोजित किए गए।

क्र. सं.	सत्र	दिनांक	विषय विशेषज्ञ	प्रतिभागियों की संख्या
1	एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) संस्थान प्रशासन और पहुँच	02.01. 2026	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.), और डॉ. रोमा असनानी, एसटीओ (एल.एस.)	94

2	एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) के तहत ई-संसाधनों तक कैसे पहुँचें	09 .01 2026	रोमा असनानी, श्रीमती रोशनी यादव, एसटीओ (एल.एस.)	401
3	एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) के तहत ई-संसाधनों तक कैसे पहुँचें	23.01 2026	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.), और डॉ. रोमा अस्नानी, एसटीओ (एल.एस.)	147
4	एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) के तहत ई-संसाधनों तक कैसे पहुँचें और लेख प्रसंस्करण शुल्क (APC) के लिए आवेदन कैसे करें	30 .01 2026	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.), और डॉ. रोमा अस्नानी, एसटीओ (एल.एस.)	176
5	एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) संस्थान प्रशासन और पहुँच	06 .02. 2026	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.), और डॉ. रोमा असनानी, एसटीओ (एल.एस.)	175
6	एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) के तहत ई-संसाधनों तक कैसे पहुँचें	13.02. 2026	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.), और डॉ. रोमा अस्नानी, एसटीओ (एल.एस.)	287
7	एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) के तहत ई-संसाधनों तक कैसे पहुँचें	20.02. 2026	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.), और डॉ. रोमा अस्नानी, एसटीओ (एल.एस.)	169
8	एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) के तहत ई-संसाधनों तक कैसे पहुँचें	06.03. 2026	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.), और श्री ऋषभ कुमार (परियोजना कर्मचारी)	367
9	एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) संस्थान प्रशासन और पहुँच	13.03. 2026	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.), और	83

			डॉ. रोमा अस्नानी, एसटीओ (एल.एस.)	
10	एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) के तहत ई-संसाधनों तक कैसे पहुँचें	20.03. 2026	डॉ. रोमा असनानी, एसटीओ (एल.एस.), और श्री ऋषभ कुमार (परियोजना कर्मचारी)	113
11	एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) के तहत ई-संसाधनों तक कैसे पहुँचें	27.03.2026	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.), और डॉ. रोमा अस्नानी, एसटीओ (एल.एस.)	64
			कुल	**2076**

ओ.एन.ओ.एस. पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम (प्रकाशकों के साथ सहयोगात्मक वेबिनार)

इसके अतिरिक्त, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने प्रकाशकों के सहयोग से उपयोगकर्ताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए निम्नलिखित सोलह (16) जागरूकता वेबिनार आयोजित किए।

क्र. सं.	**कार्यक्रम विवरण**	**दिनांक**
1	थिएम पब्लिशिंग द्वारा ओ.एन.ओ.एस. के अंतर्गत लेखक कार्यशाला	12-01-2026
2	प्रोजेक्ट म्यूज़ के साथ ओ.एन.ओ.एस. पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम	16-01-2026
3	ओ.एन.ओ.एस. के अंतर्गत उपलब्ध 2500+ टेलर एंड फ्रांसिस पत्रिकाओं तक पहुँचने का तरीका जानें	16-01-2026
4	आई.ओ.पी. साइंस जर्नल्स के माध्यम से अनुसंधान को बढ़ाना	19-01-2026
5	ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस और इन्फ्लिबनेट द्वारा कार्यशाला	20-01-2026
6	एंड-टू-एंड ASME प्रशिक्षण: लेखक के रूप में प्रकाशन और ओ.एन.ओ.एस. के माध्यम से सामग्री तक पहुँच	23-01-2026
7	ASCE के साथ स्मार्ट प्रकाशन: लेखक कार्यशाला और ओ.एन.ओ.एस. के माध्यम से ज्ञान तक पहुंच	30-01-2026

8	ए.सी.एस. के लिए एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम	16-02-2026
9	भारतीय पत्रिकाओं के लिए एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम	18-02-2026
10	ए.ए.ए.स. के लिए एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम	23-02-2026
11	नए एमराल्ड इनसाइट प्लेटफ़ॉर्म को कैसे नेविगेट करें	12-03-2026
12	वार्षिक समीक्षाएँ: ओ.एन.ओ.एस. सदस्यों के लिए एक अवलोकन	17-3-2026
13	इन्फ्लिबनेट और Sage लाइव प्रशिक्षण: ओ.एन.ओ.एस. के माध्यम से Sage पत्रिकाओं तक कैसे पहुँचें और नेविगेट करें	19-3-2026
14	ओ.एन.ओ.एस. एक्सेस के माध्यम से ASM जर्नलों का अधिकतम लाभ उठाना	25-03-2026
15	AIP पब्लिशिंग वेबिनार: विज्ञान को आगे बढ़ाना, साथ मिलकर – ओ.एन.ओ.एस. के माध्यम से भारत के अनुसंधान समुदाय का समर्थन	26-03-2026
16	BMJ जर्नल्स का उपयोग: ओ.एन.ओ.एस. संस्थानों के लिए पहुँच और अन्वेषण	30-03-2026

भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई.एन.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने विद्वान -आई.आर.आई.एन.एस. पर निम्नलिखित सात (07) संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम (ऑफ़लाइन) आयोजित किए:

क्र. सं.	संस्थान का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	विशेषज्ञों के नाम	प्रतिभागियों की संख्या
1	राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गोवा परिसर, गोवा	23-02-2026	श्री राजा वी., वैज्ञानिक-डी (सी.एस.), श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.), और डॉ. मितेशकुमार पांड्या, उप-पुस्तकालयाध्यक्ष, एनएफएसयू, गांधीनगर	70
2	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना, पटना, बिहार	09-03-2026	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), और	80

			श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	
3	सेंट जेवियर्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन (स्वायत्त), पलायमकोट्टई, तमिलनाडु	14-03-2026	डॉ. कन्नन पी., पुस्तकालयाध्यक्ष, आईआईटी गांधीनगर, और श्री राजा वी., वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)	87
4	स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेड़, महाराष्ट्र	16-03-2026	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.), और श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	154
5	वीर सुरेंद्र साईं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (VSSUT), बुरला, ओडिशा	20-03-2026	श्री राजा वी., वैज्ञानिक-डी (सी.एस.), और श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	203
6	बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश	23-03-2026	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.), और श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.),	140
7	मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश	28-03-2026	डॉ. कन्नन पी., पुस्तकालयाध्यक्ष, आईआईटी गांधीनगर, और श्री राजा वी., वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)	76
			कुल	**810**

इसके अलावा, रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने VIDWAN-आई.आर.आई.एन.एस. पर निम्नलिखित तीन (03) वेबिनार आयोजित किए:

क्र. सं.	वेबिनार विवरण	वेबिनार की तिथि	विशेषज्ञों का नाम	प्रतिभागियों की संख्या
1	" के लिए VIDWAN और आई.आर.आई.एन.एस. का उपयोग: अनुसंधान दृश्यता और सहयोग को बढ़ाना" पर वेबिनार	09-01-2026	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.), और श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	241
2	"शोध दृश्यता और सहयोग को बढ़ाने के लिए VIDWAN और आई.आर.आई.एन.एस. का उपयोग" पर वेबिनार	23-01-2026	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.), और श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	296
3	"शोध दृश्यता और सहयोग को बढ़ाने के लिए VIDWAN और आई.आर.आई.एन.एस. का उपयोग" पर वेबिनार	11-02-2026	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.), और श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	82
			कुल	**619**

ऑर्सिड(ORCID) जागरूकता कार्यक्रम

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने ऑर्सिड(ORCID) के ग्लोबल पार्टिसिपेशन फंड परियोजना "ऑर्सिड(ORCID) का इन्फ्लिबनेट के शैक्षणिक नेटवर्क परियोजनाओं के साथ एकीकरण" के अंतर्गत विभिन्न संस्थानों के सहयोग से ऑर्सिड(ORCID) पर छह (06) एक-दिवसीय जागरूकता-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

क्र. सं.	संस्थान का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	विशेषज्ञों का नाम	प्रतिभागियों की संख्या
1	प्रोविडेंस महिला कॉलेज, कोझिकोड, केरल	19-01-2026	डॉ. कन्नन पी, पुस्तकालयाध्यक्ष, आईआईटी गांधीनगर, और श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	124

2	एलएमएन इंस्टीट्यूट ऑफ़ सूचना प्रौद्योगिकी, जयपुर, राजस्थान	24-01-2026	डॉ. कन्नन पी, पुस्तकालयाध्यक्ष, आईआईटी गांधीनगर, और श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)	129
3	झारखंड रांची विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड	06-02-2026	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), और श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)	146
4	केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, उत्तर प्रदेश	07-02-2026	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), और श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)	154
5	दर्शन विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात	21-02-2026	श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.), और श्रीमती रोशनी यादव, एसटीओ (एल.एस.)	155
6	अवंतिका विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्य प्रदेश	20-03-2026	डॉ. अभिषेक कुमार और श्री राजन कुमार	95
			कुल	**803**

शोध-चक्र पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का एक प्रवेश-द्वार

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने शोध-चक्र पर सात (07) संस्थागत प्रशिक्षण और चौदह (14) नोडल बैठकें, तथा शोधकर्ता और मार्गदर्शक बैठकें, कार्यक्रम (ऑनलाइन) आयोजित किए।

क्र. सं.	**संस्थान का नाम**	**प्रशिक्षण तिथि**	**विषय**	**इन्फ्लिबनेट से विषय विशेषज्ञ**	**प्रतिभागी**
1	शोधकर्ता और मार्गदर्शक बैठक	02-01-2026	साप्ताहिक शोध-चक्र	सना असलम, परियोजना कर्मचारी	6

			शोधकर्ता एवं मार्गदर्शक प्रशिक्षण		
2	गुरु नानक कॉलेज, धनबाद	06-01-2026	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. नवनीत कुमार, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.), और डॉ. सना असलम, परियोजना कर्मचारी	14
3	नोडल बैठक	07-01-2026	साप्ताहिक शोध-चक्र नोडल प्रशिक्षण	सना असलम, परियोजना कर्मचारी	2
4	शोधकर्ता और मार्गदर्शक बैठक	09-01-2026	साप्ताहिक शोध-चक्र शोधकर्ता एवं मार्गदर्शक प्रशिक्षण	सना असलम, परियोजना कर्मचारी	9
5	नोडल बैठक	28-1-2026	साप्ताहिक शोध-चक्र नोडल प्रशिक्षण	सना असलम, परियोजना कर्मचारी	3
6	डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन	03-02-2026	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. नवनीत कुमार, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.), और डॉ. सना असलम, परियोजना कर्मचारी	13
7	नोडल बैठक	04-02-2026	साप्ताहिक शोध-चक्र नोडल प्रशिक्षण	सना असलम, परियोजना कर्मचारी	4
8	हैदराबाद (सिंड)	11-2-2026	शोध-चक्र	डॉ. नवनीत कुमार,	89

	नेशनल कॉलेजिएट यूनिवर्सिटी, मुंबई		प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	वैज्ञानिक-बी (एल.एस.), और डॉ. सना असलम, परियोजना कर्मचारी	
9	नोडल बैठक	12-2-2026	साप्ताहिक शोध-चक्र नोडल प्रशिक्षण	सना असलम, परियोजना कर्मचारी	4
10	शोधकर्ता और मार्गदर्शक बैठक	13-2-2026	साप्ताहिक शोध-चक्र शोधकर्ता एवं मार्गदर्शक प्रशिक्षण	सना असलम, परियोजना कर्मचारी	3
11	जयपी इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा	14-2-2026	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	सना असलम, परियोजना कर्मचारी	51
12	नोडल बैठक	18-2-2026	साप्ताहिक शोध-चक्र नोडल प्रशिक्षण	सना असलम, परियोजना कर्मचारी	2
13	शोधकर्ता और मार्गदर्शक बैठक	20-2-2026	साप्ताहिक शोध-चक्र शोधकर्ता और मार्गदर्शक प्रशिक्षण	सना असलम, परियोजना कर्मचारी	2
14	अजेन्क्या डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय, पुणे	20-2-2026	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. नवनीत कुमार, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.), और डॉ. सना असलम, परियोजना कर्मचारी	20
१५	नोडल बैठक	25-2-2026	साप्ताहिक	सना असलम, परियोजना	4

			शोध-चक्र नोडल प्रशिक्षण	कर्मचारी	
16	स्टारेक्स यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम	07-03-2026	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	सना असलम, परियोजना कर्मचारी	48
17	नोडल बैठक	03-03-2026	साप्ताहिक शोध-चक्र नोडल प्रशिक्षण	सना असलम, परियोजना कर्मचारी	11
18	यशवंत महाविद्यालय, नंदन	11-03-2026	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. नवनीत कुमार, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.), और डॉ. सना असलम, परियोजना कर्मचारी	100
19	शोधकर्ता और मार्गदर्शक बैठक	13-3-2026	साप्ताहिक शोध-चक्र शोधकर्ता एवं मार्गदर्शक प्रशिक्षण	सना असलम, परियोजना कर्मचारी	2
20	नोडल बैठक	18-3-2026	साप्ताहिक शोध-चक्र नोडल प्रशिक्षण	सना असलम, परियोजना कर्मचारी	65
21	दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर	18-3-2026	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), डॉ. नवनीत कुमार, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.), और डॉ. सना असलम, परियोजना कर्मचारी	297

कुल	749

इन्फ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (आई.एल.एम.एस) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र ने ILMS पर दो (02) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

क्र. सं.	विश्वविद्यालय का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	विशेषज्ञ	प्रतिभागियों की संख्या
1	संस्कृति विश्वविद्यालय	21-01-2026	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), और श्री अर्शद रफीक खान	300
2	कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय	10-03-2026	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), और श्री अर्शद रफीक खान	50

नए परियोजनाएँ/गतिविधियाँ

निदेशक द्वारा शुभारंभ

इन्फ्लिबनेट केंद्र यह घोषणा करते हुए प्रसन्न है कि निदेशक का ब्लॉग 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर लॉन्च किया गया। यह ब्लॉग इन्फ्लिबनेट की नवीनतम पेशकशों, चल रही परियोजनाओं और प्रमुख सेवाओं को साझा करने के लिए एक सूचनात्मक मंच के रूप में काम करेगा, जिससे शैक्षणिक और पुस्तकालय समुदाय को नई प्रगति और पहलों के बारे में अद्यतन रहने में मदद मिलेगी। ब्लॉग पर यहां पहुंच सकते हैं: https://www.इन्फ्लिबनेट.ac.in/about/directorblog.php।

इसके अलावा, इस अवधि के दौरान, केंद्र ने कुछ नई परियोजनाओं/गतिविधियों और प्लेटफ़ॉर्मों को अपग्रेड किया, जिन्हें 27 फरवरी 2026 को गांधीनगर स्थित इन्फ्लिबनेट केंद्र में ओपनडे 2026 के दौरान लॉन्च किया गया।

- **शोधप्रभा**, भारतीय पेटेंटों की अकादमिक रिपॉजिटरी – एक समर्पित पेटेंट डेटाबेस जिसे अनुसंधान और

वाणिज्यीकरण के बीच की खाई को पाटने के लिए डिज़ाइन किया गया है। शोधप्रभा देश भर के विश्वविद्यालयों द्वारा उत्पन्न अकादमिक पेटेंटों की एक केंद्रीकृत रिपॉजिटरी बनाकर नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शोधप्रभा को भारतीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों के संयुक्त पेटेंट आउटपुट तक पहुँचने के लिए एक एकल मंच की कमी की प्रतिक्रिया में विकसित किया गया है। आज तक, इस प्लेटफ़ॉर्म पर संस्थानों के पिछले 10 वर्षों का NIRF पेटेंट डेटा उपलब्ध है। पंजीकृत भागीदार विश्वविद्यालय और संस्थान शोधप्रभा में लॉग इन कर सकते हैं और अपने पेटेंट मेटाडेटा को अपडेट कर सकते हैं।

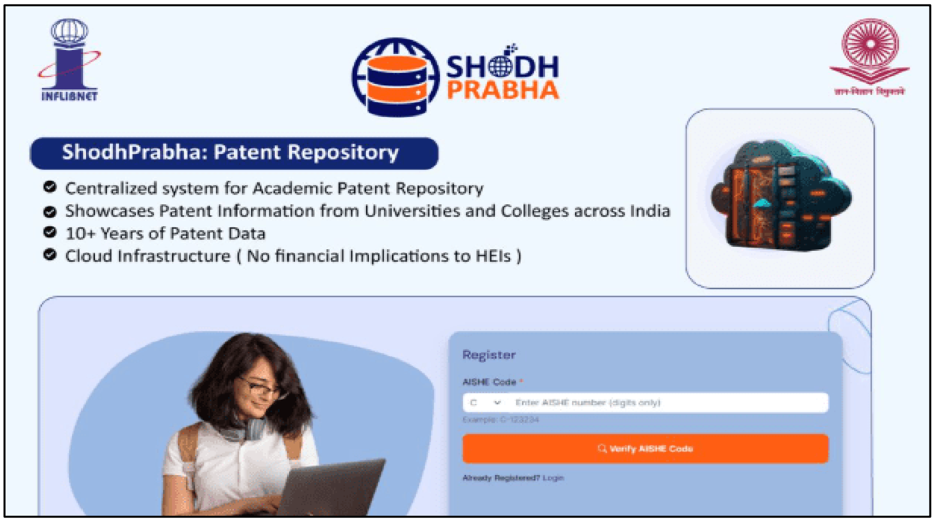

चित्र-9: शोधप्रभा वेबसाइट का स्क्रीनशॉट

- **इन्फीमीट**: सम्मेलन/कार्यशाला घोषणा मंच – यह पूरे देश में शैक्षणिक कार्यक्रमों और सम्मेलनों के बारे में लोगों को सूचित करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक सहज नया मंच है। इन्फीमीट एक पूरी तरह से मुफ्त और उपयोगकर्ता-अनुकूल मंच प्रदान करता है जहाँ शैक्षणिक संस्थान आसानी से पंजीकरण कर सकते हैं और अपने कार्यक्रम साझा कर सकते हैं, जिससे व्यापक दृश्यता और भागीदारी सुनिश्चित होती है (https://infymeet.इन्फ्लिबनेट.ac.in/)।

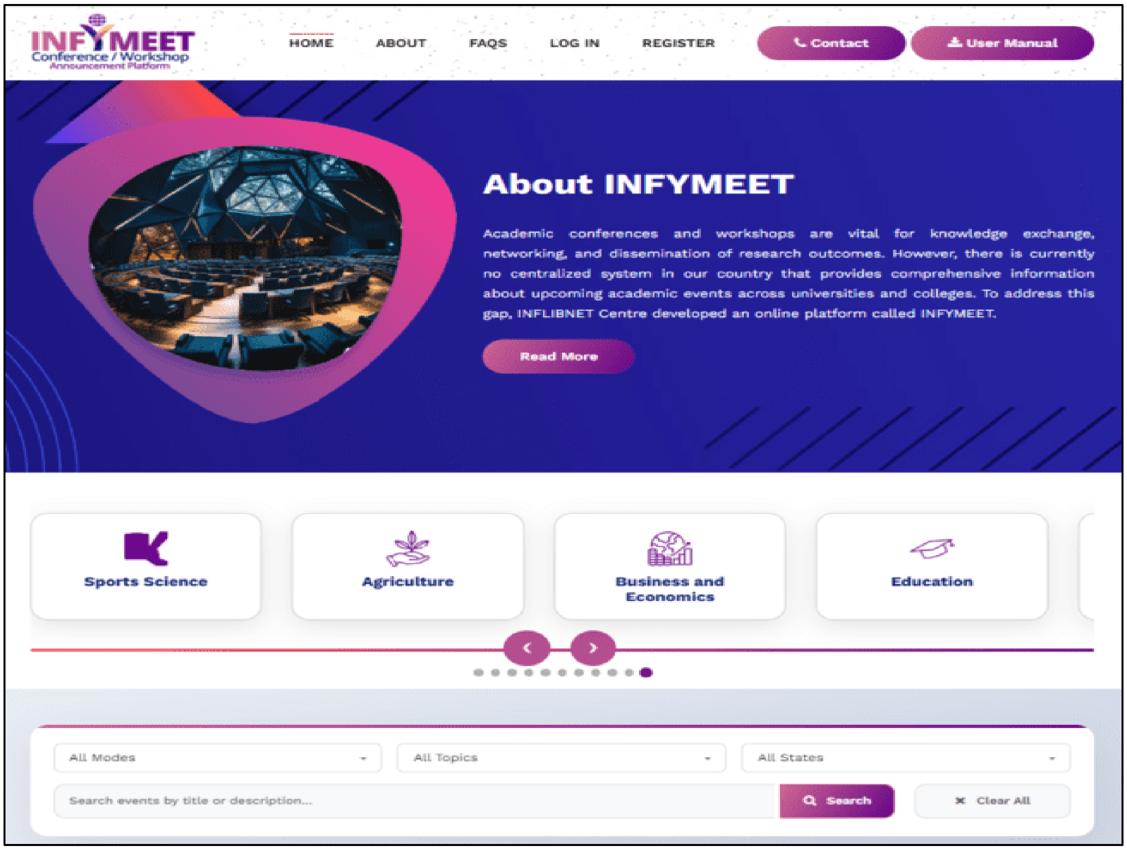

चित्र-10: INFYMEET वेबसाइट का होमपेज

- **शोधगंगा 2.0 (बीटा):** भारत की इलेक्ट्रॉनिक थीसिस की प्रमुख रिपॉजिटरी के लिए एक विशाल तकनीकी छलांग। 2.0 बीटा में एक नया तकनीकी स्टैक और DSpace का एक नया संस्करण है, जो तेज़ खोज क्षमता और बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करता है।
- **ओपन सोल (बीटा):** ओपन-सोर्स सुलभता की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित करते हुए, इन्फ्लिबनेट ने अपने अत्यधिक लोकप्रिय सॉफ्टवेयर फॉर यूनिवर्सिटी लाइब्रेरीज़ (सोल) लाइब्रेरी ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर का एक ओपन संस्करण लॉन्च किया।

इन्फ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति

एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.)

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, ओ.एन.ओ.एस. ने ओ.एन.ओ.एस. पोर्टल पर ओ.एन.ओ.एस. के चरण II कार्यान्वयन के लिए "गैर-सरकारी संस्थानों के लिए सदस्यता सर्वेक्षण" की घोषणा की। सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य, मान्य AISHE कोड वाले गैर-सरकारी संस्थानों की, अपने संस्थानों में 2024 और 2025 के वर्षों के लिए ई-

जर्नल सदस्यता विवरणों पर डेटा जमा करके कार्यक्रम में शामिल होने की रुचि का आकलन करना था।

विद्वान, भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई.एन.एस.), शेरनी (SheRNI), और लिब-वाहिनी (LIB-VAHINI)

विद्वान (VIDWAN) डेटाबेस में रिपोर्ट की गई अवधि तक 3,59,949 से अधिक संकाय सदस्यों की विस्तृत प्रोफाइल शामिल हैं। **आई.आर.आई.एन.एस.**, इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों को प्रदान की जाने वाली वेब-आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन (RIM) सेवा, शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों को विद्वान संचार गतिविधियों को एकत्रित करने, व्यवस्थित करने और प्रदर्शित करने में सहायता करती है और एक विद्वान नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करती है। इन्फ्लिबनेट केंद्र ने रिपोर्ट की गई अवधि तक संस्थानों के लिए 1,926 आई.आर.आई.एन.एस. इंस्टेंस बनाए हैं, जिसमें रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान बनाए गए 96 आई.आर.आई.एन.एस. इंस्टेंस शामिल हैं। आई.आर.आई.एन.एस. ने इस परियोजना के माध्यम से 2,82,148 संकाय सदस्यों को जोड़ा है। इस परियोजना ने विभिन्न स्रोतों से 39.13 लाख+ (39,13,823) प्रकाशनों का मेटाडेटा प्राप्त किया, 400 लाख+ (4,00,70,809) प्राप्त हुए
उद्धरण।

शेरनी (SheRNI): भारत में महिला अनुसंधान नेटवर्क (शेरनी (SheRNI)) एक विशेषज्ञ-प्रोफ़ाइल नेटवर्क है जो भारत में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के ज्ञान, कौशल और विशेषज्ञता को जोड़ता है और उसका लाभ उठाता है। वर्तमान में, यह विभिन्न क्षेत्रों की 1,26,000+ से अधिक महिला विशेषज्ञों के एक नेटवर्क की मेजबानी करता है।

लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान (एलआईएस) पेशेवरों के लिए एक समर्पित डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, **लिब-वाहिनी** (**LIB-VAHINI**), को 12 अगस्त 2025 को इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा लॉन्च किया गया था। इसे राष्ट्रीय ग्रंथपाला दिवस पर एलआईएस पेशेवरों की प्रोफाइल, उपलब्धियों और सहयोग को प्रदर्शित करने के लिए एक राष्ट्रीय-स्तरीय भंडार प्रदान करने हेतु पेश किया गया था। वर्तमान में, यह 3,200+ से अधिक एलआईएस पेशेवरों के एक नेटवर्क की मेजबानी करता है।

शोध-चक्र: शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का एक प्रवेशद्वार

शोध-चक्र यूजीसी के मार्गदर्शन में, इन्फ्लिबनेट केंद्र की एक पहल है, जो शैक्षणिक समुदाय को उनके शोध जीवन

चक्र के दौरान समर्थन देने के लिए है। शोध-चक्र शोधार्थी, मार्गदर्शक/सुपरवाइजर और विश्वविद्यालय के लिए एक शोध विद्वान के शोध जीवन चक्र का प्रबंधन करने हेतु एक अनूठी जगह प्रदान करत । यह पोर्टल लाखों संसाधनों, जैसे पूर्ण-पाठ शोध-प्रबंध, को एकीकृत करता है और शोध प्रक्रिया के दौरान शोधकर्ताओं के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करता है। कुल 408 विश्वविद्यालयों ने शोध-चक्र का उपयोग करने के लिए इन्फ्लिबनेट केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें 59 विश्वविद्यालय वे हैं जिन्होंने रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान हस्ताक्षर किए। 59 विश्वविद्यालयों का विवरण नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	**संस्थान का नाम**	**शहर**	**राज्य**	**विश्वविद्यालय द्वारा एमओयू पर हस्ताक्षर की तिथि**	**इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा हस्ताक्षर की तिथि**
1.	सरदार भगवान सिंह विश्वविद्यालय	देहरादून	उत्तराखंड	05-12-2025	01-01-2026
2.	भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय	पुणे	महाराष्ट्र	16-12-2025	01-01-2026
3.	श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय	कांचीपुरम	तमिलनाडु	16-12-2025	01-01-2026
4.	आईटीएम स्किल्स यूनिवर्सिटी	रायगढ़	महाराष्ट्र	09-12-2025	01-01-2026
5.	जॉय विश्वविद्यालय	तिरुनेल्वेली	तमिलनाडु	16-12-2025	01-01-2026
6.	पेरियार मणियाम्माई विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान	तांजावुर	तमिलनाडु	11-12-2025	01-01-2026
7.	एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी	गाज़ियाबाद	उत्तर प्रदेश	16-12-2025	01-01-2026
8.	महाराजा श्रीराम चंद्र भंज Deo विश्वविद्यालय	मयूरभंज	उड़ीसा	12-12-2025	01-01-2026
9.	असम डाउन टाउन विश्वविद्यालय	कामरूप मेट्रो	असम	18-12-2025	02-01-2026
10.	जीएलए विश्वविद्यालय	मथुरा	उत्तर प्रदेश	30-12-2025	09-01-2026
11.	आदित्य विश्वविद्यालय	सुरम्पलेम	आंध्र प्रदेश	24-12-2025	09-01-2026
12.	अमिटी विश्वविद्यालय, ग्वालियर	ग्वालियर	मध्य प्रदेश	30-12-2025	15-01-2026
13.	पी पी सावानी विश्वविद्यालय	सूरत	गुजरात	03-12-2025	15-01-2026
14.	जे.सी. बोस विज्ञान एवं	फरीदाबाद	हरियाणा	06-01-2026	15-01-2026

	प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, YMCA				
15.	सुशांत विश्वविद्यालय	गुड़गांव	हरियाणा	05-01-2026	15-01-2026
16.	केरल पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय	वायनाड	केरल	12-01-2026	20-01-2026
17.	कलिंग संस्थान औद्योगिक प्रौद्योगिकी	भुवनेश्वर	ओडिशा	13-01-2026	02-02-2026
18.	रायत बहरा प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी	होशियारपुर	पंजाब	15-01-2026	02-02-2026
19.	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय	अमरकंटक	मध्य प्रदेश	13-01-2026	02-02-2026
20.	जम्मू क्लस्टर विश्वविद्यालय	जम्मू	जम्मू और कश्मीर	14-01-2026	02-02-2026
21.	महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्याल	नागाँव	असम	22-01-2026	02-02-2026
22.	क्वांटम यूनिवर्सिटी	रूड़की	उत्तराखंड	29-01-2026	02-02-2026
23.	कर्नाटक राज्य अक्कमाहादेवी महिला विश्वविद्यालय	विजयपुरा	कर्नाटक	20-01-2026	02-02-2026
24.	यूकेए तर्सडिया विश्वविद्यालय	सूरत	गुजरात	08-11-2025	02-02-2026
25.	इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी	बरेली	उत्तर प्रदेश	02-12-2025	16-02-2026
26.	भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान, गांधीनगर	गांधीनगर	गुजरात	13-02-2026	
27.	फकीर मोहन विश्वविद्यालय	बालासोर	ओडिशा	01-12-2025	17-02-2026
28.	मंगलायतन विश्वविद्यालय	जबलपुर	मध्य प्रदेश	11-02-2026	17-02-2026
29.	पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़	रायपुर	छत्तीसगढ़	09-12-2025	17-02-2026
30.	आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय	गुंटूर	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
31.	आदि कवि नन्नाया विश्वविद्यालय	राजमहेंद्रवरम	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	१८-०२-२०२६

32.	आंध्र केसरी विश्वविद्यालय	ओंगोल	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
33.	आंध्रा विश्वविद्यालय	विशाखापत्तनम	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
34.	क्लस्टर विश्वविद्यालय	कुरनूल	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
35.	डॉ. अब्दुल हक उर्दू विश्वविद्यालय	कुरनूल	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
36.	डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय	श्रीकाकुलम	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
37.	डॉ. वायएसआर वास्तुकला और ललित कला विश्वविद्यालय	रायलापंतुलपल्ले	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
38.	द्रविड़ विश्वविद्यालय	चित्तूर	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
39	जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुरुजादा	विज़ियानगरम	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
40	जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अनंतपुर	अनंतपुरम्	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
41..	जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, काकिनाडा	पूर्वी गोदावरी	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
42.	कृष्णा विश्वविद्यालय	मछलीपट्टनम	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
43.	राजीव गांधी ज्ञान प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	गुंटूर	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
44.	रयलासीमा विश्वविद्यालय	कुरनूल	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
45.	श्री कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय	अनंतपुरम	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
46.	श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालया	चित्तूर	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
47.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय	तिरुपति	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
48.	विक्रमा सिम्हापुरी विश्वविद्यालय	नेल्लोर	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
49.	योगी वेमाना विश्वविद्यालय	गंगानापल्ले	आंध्र प्रदेश	18-02-2026	18-02-2026
50.	महात्मा गांधी केंद्रीय	मोतिहारी	बिहार	15-09-2025	26-02-2026

	विश्वविद्यालय				
51.	आर के विश्वविद्यालय	राजकोट	गुजरात	25-02-2026	27-02-2026
52.	डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय	डिब्रूगढ़	असम	02-12-2025	10-03-2026
53.	संबलपुर विश्वविद्यालय	संबलपुर	ओडिशा	06-01-2026	10-03-2026
54.	जय हिंद कॉलेज	मुंबई	महाराष्ट्र	26-02-2026	10-03-2026
55.	गुरु काशी विश्वविद्यालय	बठिंडा	पंजाब	04-02-2026	10-03-2026
56.	राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय	भोपाल	मध्य प्रदेश	27-02-2026	10-03-2026
57.	राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय	जयपुर	राजस्थान	27-02-2026	10-03-2026
58.	राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय	जोधपुर	राजस्थान	27-02-2026	10-03-2026
59.	पूर्णिमा विश्वविद्यालय	जयपुर	राजस्थान	03-10-2026	16-03-2026

शोध-चक्र के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर समारोह

अंतर्राष्ट्रीय मानक पुस्तक संख्या (ISBN)

शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अनुमोदन के अनुसार, गांधीनगर स्थित इन्फ्लिबनेट केंद्र अपनी दैनिक गतिविधियों, जिनमें पंजीकरण, आवेदन और ISBN आवंटन के साथ-साथ ISBN पोर्टल का तकनीकी रखरखाव शामिल है, का प्रबंधन और क्रियान्वयन कर रहा है। रिपोर्ट की गई अवधि (1 जनवरी से 31 मार्च, 2026) के दौरान, ISBN पोर्टल पर 5,524 हितधारकों ने पंजीकरण किया, जहाँ 14,745 आवेदन प्राप्त हुए। कुल 2,23,397 ISBN हितधारकों और प्रकाशकों को आवंटित किए गए।

इन्फ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (ILMS)

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने निम्नलिखित एक (01) संस्थान के लिए ILMS इंस्टॉलेशन पूरा किया:

क्र. सं.	संस्थान का नाम	पता	स्थापना तिथि
01	महाराजा रणजीत सिंह पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय	दाबवाली-बड़का रोड, बठिंडा, पंजाब-151001	11-03-2026

शोधगंगा: भारतीय प्रबंधों का एक भंडार

2026 की रिपोर्ट की गई तिमाही शोधगंगा के लिए एक उल्लेखनीय अवधि के रूप में चिह्नित थी, जिसमें विश्वविद्यालयों/सीएफटीआई/आईएनआई आदि से पीएचडी प्रबंधों की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई, और शोधगंगा प्लेटफ़ॉर्म के उन्नयन का परीक्षण किया गया। शोधगंगा, भारतीय विश्वविद्यालयों के पूर्ण-पाठ शोध-प्रबंधों का एक भंडार, लगातार प्रगति कर रहा है, जिसके तहत मार्च 2026 तक कुल 6,67,084 पूर्ण-पाठ शोध-प्रबंध अपलोड किए गए हैं और रिपोर्ट की गई अवधि, यानी जनवरी-मार्च 2026 के दौरान 19,376 शोध-प्रबंध अपलोड किए गए हैं।

31 मार्च 2026 तक, कुल 1039 (924 विश्वविद्यालय + 115 सीएफटीआई/आईएनआई) ने इन्फ्लिबनेट केंद्र के साथ शोधगंगा पर एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप शोधगंगा में पूर्ण-पाठ शोध-प्रबंधों की संख्या में वृद्धि हुई है, जहाँ जनवरी 2026 से मार्च 2026 की अवधि के दौरान 19 विश्वविद्यालयों से 19 एमओयू जोड़े गए। इस प्रकार, रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान यह रिपॉजिटरी लगातार बढ़ी है। जनवरी से मार्च 2026 की तिमाही में अपलोड किए गए शोध प्रबंधों की कुल संख्या (आकृति 11) 19,376 है।

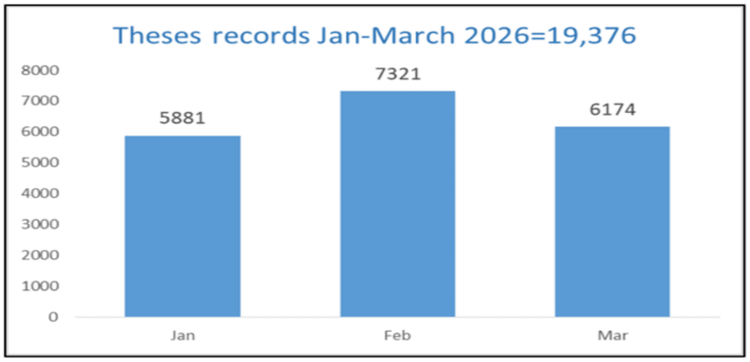

चित्र 11: जनवरी से मार्च 2026 तक शोधगंगा में अपलोड किए गए शोध प्रबंध

इसके अतिरिक्त, शोधगंगा राष्ट्रीय संचालन समिति की सिफारिशों के अनुसार, शोधगंगा के एक नए संस्करण में माइग्रेशन पूरा कर लिया गया है, जिसमें बेहतर गति और पहुँच शामिल है, जिसमें बुनियादी ढाँचे के उन्नयन, डेटाबेस और इंटरफ़ेस माइग्रेशन, और अतिरिक्त सुविधाएँ और प्लग-इन शामिल हैं, जिससे दक्षता में सुधार हुआ है। शोधगंगा 2.0 का बीटा संस्करण 27 फरवरी 2026 को इन्फ्लिबनेट ओपन डे पर लॉन्च किया गया था। नए इंटरफ़ेस के साथ शोधगंगा 2.0 का परीक्षण जल्द ही शुरू होगा, और शोधगंगा 2.0 को अगले तिमाही में हितधारकों के बीच लॉन्च किया जाएगा।

शोधगंगा 2.0 (बीटा): भारत की इलेक्ट्रॉनिक शोधप्रबंधों का प्रमुख भंडार के लिए एक विशाल तकनीकी छलांग। 2.0 बीटा संस्करण में एक नए ताज़ा किए गए तकनीकी स्टैक और DSpace का नया संस्करण शामिल है, जिसे 27 फरवरी 2026 को इन्फ्लिबनेट ओपन डे 2026 के दौरान लॉन्च किया गया था।

शोधगंगात्रि

आयुष मंत्रालय के अनुरोध पर, शोधगंगा अब स्नातकोत्तर शोध-प्रबंधों के लिए भी उपलब्ध है। वर्तमान में, इस भंडार में 157 विश्वविद्यालयों द्वारा योगदान किए गए 18,664 सारांश/एमआरपी/पीडीएफ/छात्रवृत्ति/स्नातकोत्तर शोध-प्रबंध मौजूद हैं। इस अवधि के दौरान, 650 सारांश/एमआरपी/पीडीएफ/छात्रवृत्ति/स्नातकोत्तर शोध-प्रबंध जोड़े गए।

शोधशुद्धि और साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर (PDS)

शिक्षा मंत्रालय, अपनी पहल शोधशुद्धि (ShodhShuddhi) के माध्यम से, शैक्षणिक संस्थानों में शैक्षणिक सत्यनिष्ठा को बढ़ाने और साहित्यिक चोरी को रोकने के लिए, केंद्रीय वित्त पोषण के माध्यम से भारत में केंद्रीय, राज्य, डीम्ड और निजी विश्वविद्यालयों के साथ-साथ केंद्रीय वित्त पोषित तकनीकी संस्थानों/राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (CFTIs/INIs) को साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर (PDS) तक पहुंच प्रदान करता है, प्रभावी से 01 सितंबर 2019 से। अक्टूबर 2023 से, 1100 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों (HEIs) के लिए नया पीडीएस सॉफ्टवेयर (यानी, ड्रिलबिट एक्सट्रीम) खरीदा गया था, और मूल्यांकन समिति की सिफारिश पर, समान नियमों और शर्तों के तहत मौजूदा ऑर्डर को सितंबर 2026 तक एक और साल के लिए बढ़ा दिया गया था।

31 मार्च 2026 तक, शुरुआत से अब तक 1179 (897 सक्रिय) विश्वविद्यालयों/संस्थानों से समानता/साहित्यिक चोरी की जांच के लिए कुल 60,21,156 दस्तावेज़ प्रस्तुत किए गए हैं। प्रोजेक्ट शोधशुद्धि में प्रत्येक वर्ष 10 लाख दस्तावेजों के उपयोग की परिकल्पना की गई थी, जिसमें अतिरिक्त 20% शामिल था, और अब 31 मार्च 2026 तक 60.21 लाख दस्तावेज जमा किए जा चुके हैं।

शोधशुद्धि: रिपोर्ट की अवधि के दौरान PDS के उपयोग सांख्यिकी

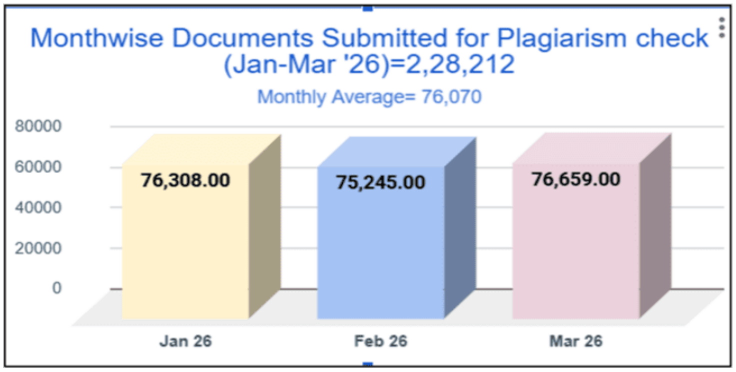

चित्र 12: PDS में सबमिशन की संख्या #मासिक (जनवरी-मार्च) 2026

रिपोर्ट की अवधि के दौरान PDS में कुल दस्तावेज़ जमा 2,28,212। आकृति 12 पिछले 3 महीनों में सबमिशन की संख्या दिखाती है (जनवरी = 76,308, फरवरी = 75,245, मार्च = 76,659), जिसका औसत 74,731 है। चित्र 13 रिपोर्ट की अवधि के दौरान सक्रिय उपयोगकर्ताओं की मासिक संख्या दिखाता है।

#इन्फ्लिबनेट केंद्र का MoE के अंतर्गत शोधशुद्धि-पीडीएस (ShodhShuddhi-PDS) परियोजना विशेष रूप से पीएचडी शोध-प्रबंधों/सारों और उसी शोध-प्रबंध से संबंधित लेखों में साहित्यिक चोरी की जाँच के लिए है। संस्थान की नीति के अनुसार उपयोगकर्ता विश्वविद्यालयों द्वारा प्रतिबंधित हैं और कई विश्वविद्यालयों में दस्तावेज़ की साहित्यिक चोरी जाँच के लिए स्कैनिंग की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी(यों) को सौंपी गई है।

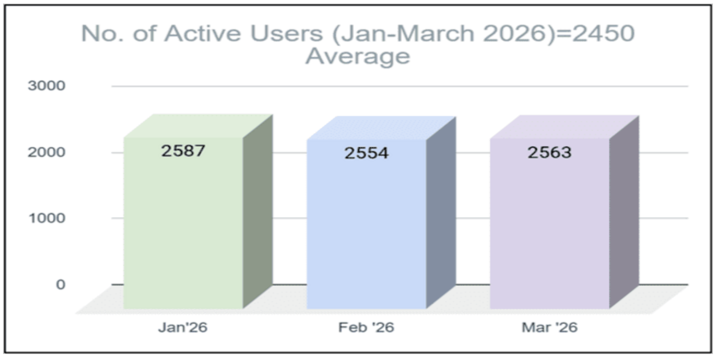

आकृति 13: रिपोर्ट की अवधि के दौरान सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच

1. 08 जनवरी 2026 को, इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, और बिदर विश्वविद्यालय, बिदर, कर्नाटक ने डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं, अनुसंधान सहायता प्रणालियों और शैक्षणिक संसाधन साझाकरण के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए औपचारिक रूप से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू पर प्रो. देविका पी. मडल्ली, निदेशक, इन्फ्लिबनेट केंद्र, और प्रो. बी. एस. बिरादार, कुलपति, बिदर विश्वविद्यालय ने हस्ताक्षर किए।
2. 16 जनवरी 2026 को, इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, और बिहार इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय, पटना ने डिजिटल पुस्तकालय के विकास, अनुसंधान सहायता प्रणालियों में सुधार और सेवाओं के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर आधिकारिक तौर पर हस्ताक्षर किए। यह कार्यक्रम बिहार के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और तकनीकी शिक्षा विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, पटना में आयोजित किया गया था। इस एमओयू पर श्री सुनील कुमार, माननीय मंत्री, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति में प्रो. देविका पी. मडलाइ, निदेशक, इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, और डॉ. प्रदीप कुमार, रजिस्ट्रार, बिहार इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय, पटना ने हस्ताक्षर किए।
3. **महा-रैंकिंग प्लेटफ़ॉर्म के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर**: इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर ने 23 जनवरी 2026 को पुणे में महाराष्ट्र सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के साथ महा-रैंकिंग प्लेटफ़ॉर्म के विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू पर इन्फ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. मडलाइ और महाराष्ट्र सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री वेंकटेश रेड्डी ने हस्ताक्षर किए, तथा इस अवसर पर महाराष्ट्र सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री चंद्रकांत पाटिल जी और अन्य वरिष्ठ राज्य अधिकारी उपस्थित थे।
4. **एपीएससीएचई और आंध्र प्रदेश के सभी राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर:** इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर ने 18 फरवरी 2026 को आंध्र प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद (एपीएससीएचई) और आंध्र प्रदेश के सभी राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के साथ एक त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह एमओयू आंध्र प्रदेश के आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय में आयोजित, एपीएससीएचई द्वारा आयोजित, इन्फ्लिबनेट सेवाओं और एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) पर राज्य-स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान हस्ताक्षरित किया गया। इस पहल के तहत, राज्य के डिजिटल शैक्षणिक और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए विश्वविद्यालय पुस्तकालय स्वचालन और अनुसंधान सहायता सेवाओं सहित इन्फ्लिबनेट सेवाओं को लागू करेंगे। प्रो. देविका पी. मडलाइ, निदेशक, इनफ्लिबनेट केंद्र, ने

अतिथि सम्मान के रूप में कार्यशाला में भाग लिया और ओएनओएस (ओ.एन.ओ.एस.) पहल के प्राथमिक उद्देश्यों पर एक विचारशील सत्र प्रस्तुत किया।

5. 05 मार्च 2026 को, इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर ने, एमजीसीयू, बिहार को अनुसंधान सहायता सेवाओं में सुधार के लिए, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), मोतिहारी, बिहार के साथ औपचारिक रूप से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू पर महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव और इन्फ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. मडलायी ने हस्ताक्षर किए।

अन्य उल्लेखनीय घटनाएँ और गतिविधियाँ

77वां गणतंत्र दिवस 2026

इन्फ्लिबनेट केंद्र ने 26 जनवरी को केंद्र में अपने सभी इन्फ्लिबनेट परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में, बहुत गर्व और उत्साह के साथ 77वां गणतंत्र दिवस मनाया। इस अवसर पर, माननीय निदेशक प्रो. देविका पी. मडलाइ ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जो संविधान के मूल्यों और राष्ट्र की प्रगति के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

चित्र 14: केंद्र में गणतंत्र दिवस का उत्सव

बसंत पंचमी उत्सव

इन्फ्लिबनेट केंद्र में 23 जनवरी 2026 को **वसंत पंचमी** का पर्व श्रद्धा, उल्लास एवं सकारात्मक वातावरण के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वसंत ऋतु के आगमन का स्वागत किया गया तथा ज्ञान, विद्या एवं कला की अधिष्ठात्री देवी **माँ सरस्वती** की विधिवत पूजा-अर्चना एवं प्रार्थना की गई।

चित्र 15: केंद्र में बसंत पंचमी उत्सव

इन्फ्लिबनेट ओपन डे 2026

27 फरवरी 2026 को, इन्फ्लिबनेट ओपन डे 2026 ने इन्फ्लिबनेट केंद्र में केंद्र के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अपना वार्षिक ओपन डे सफलतापूर्वक आयोजित किया। "ज्ञान के मार्ग खोलना" (Opening Knowledge Pathways) विषय के साथ, इस कार्यक्रम ने केंद्र की नवीनतम तकनीकी उपलब्धियों, अभिनव शैक्षणिक प्लेटफ़ॉर्मों और अनुसंधान पहलों को सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान (एलआईएस) पेशेवरों, अनुसंधान प्रशासकों, विद्वानों और आम जनता के विविध दर्शकों को संलग्न करते हुए, ओपन डे ने विद्वान सामग्री तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने और भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) के लिए मजबूत डिजिटल अवसंरचना को बढ़ावा देने में इन्फ्लिबनेट की महत्वपूर्ण भूमिका को सुदृढ़ किया। उद्घाटन सत्र के लिए मुख्य अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय आनुवंशिक अभियांत्रिकी और जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (ICGEB) में आर्टुरो फलास्की, एमेरिटस वैज्ञानिक और संस्थागत उत्कृष्टता, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित अतिथि प्रोफेसर वी. एस. चौहान को आमंत्रित करना केंद्र के लिए सम्मान की बात थी।

ओपन डे 2026: उद्घाटन समारोह

ओपन डे 2026 का शुभारंभ एक औपचारिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध उद्घाटन सत्र के साथ हुआ।

- **प्रार्थना:** कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय गीत (*वंदे मातरम्*) के गायन से हुई, जिसके बाद गणमान्य व्यक्तियों द्वारा अँधेरे को दूर करने और ज्ञान के प्रसार के प्रतीक के रूप में पारंपरिक दीप प्रज्वलित किया गया। इसके साथ ही *सरस्वती वंदना* की एक भावपूर्ण प्रार्थना भी की गई।
- **स्वागत भाषण:** प्रो. देविका पी. मडल्ली, निदेशक, इन्फ्लिबनेट केंद्र, ने उपस्थित लोगों और मुख्य अतिथि का हार्दिक स्वागत किया, और इस प्रकार शैक्षणिक उत्कृष्टता और तकनीकी सशक्तिकरण पर केंद्रित एक दिन की नींव रखी।
- **ओपन डे का परिचय:** श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.), ने औपचारिक रूप से ओपन डे की अवधारणा और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की, और आगंतुकों को केंद्र की तकनीकी टीमों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने और विभिन्न परियोजना प्रदर्शनों को देखने के लिए प्रोत्साहित किया।
- **मुख्य अतिथि का मुख्य भाषण:** उद्घाटन मुख्य भाषण प्रतिष्ठित मुख्य अतिथि, प्रो. वी. एस. चौहान द्वारा दिया गया। प्रो. चौहान ने भारत में उच्च शिक्षा के विकास और संस्थागत नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका पर एक गहन चिंतन प्रस्तुत किया। उन्होंने पिछले दशकों की कठिन, मैन्युअल अनुसंधान पद्धतियों की तुलना आज उपलब्ध तीव्र, परस्पर जुड़ी तकनीकी प्रगति से की, और विशेष रूप से इस तरह के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे प्रदान करने के लिए इनफ्लिबनेट (इन्फ्लिबनेट) की प्रशंसा की। अपने विचार साझा करते हुए, प्रो. चौहान ने इन्फ्लिबनेट केंद्र के कार्यों और गतिविधियों के लिए गहरी प्रशंसा व्यक्त की और इसे "राष्ट्रीय संस्थान" का दर्जा देने के लिए पुरजोर वकालत की। प्रो. चौहान ने जोर देकर कहा कि पूरे देश के लिए निरंतर, उच्च-गुणवत्ता वाली वैज्ञानिक सेवाएं मजबूत सरकारी वित्त पोषण द्वारा समर्थित संस्थागत स्वायत्तता पर बहुत अधिक निर्भर करती हैं। इसके अलावा, शैक्षणिक समुदाय को एक समयोचित चेतावनी में, उन्होंने शैक्षणिक प्रकाशन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संभावित दुरुपयोग के खिलाफ चेतावनी दी, यह आशंका व्यक्त करते हुए कि इससे निम्न-गुणवत्ता वाले या बनावटी शोध में वृद्धि हो सकती है। अंत में, उन्होंने आधुनिक विद्वानों से बढ़ती प्रणालीगत जटिलताओं के बावजूद उत्साही बने रहने का आह्वान किया।
- **'एक राष्ट्र एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) के एक वर्ष का जश्न:** प्रो. देविका पी. मडल्ली ने एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओ.एन.ओ.एस.) पहल की सफलता की कहानियों और एक साल की यात्रा को प्रस्तुत किया। ओ.एन.ओ.एस. एक क्रांतिकारी नीतिगत बदलाव है जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं तक देशव्यापी पहुंच प्रदान करना है, और यह भारतीय विद्वानों के लिए पेवॉल (paywalls) को प्रभावी ढंग से समाप्त करता है। इसके अलावा, सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने और मान्यता देने के लिए, शीर्ष प्रदर्शन

करने वाले कॉलेज (कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग तिरुवनंतपुरम, केरल) द्वारा ओ.एन.ओ.एस. के उपयोग को उजागर करते हुए एक पुरस्कार प्रदान किया गया, जिससे शैक्षणिक स्तर पर इस कार्यक्रम के ठोस प्रभाव का पता चलता है।

चित्र 16: इन्फ्लिबनेट ओपन डे 2026 के उद्घाटन सत्र की झलकियाँ

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मुख्य अतिथि द्वारा इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा विकसित चार प्रमुख शैक्षणिक और तकनीकी प्लेटफ़ॉर्मों का आधिकारिक शुभारंभ था:

- **शोधप्रभा:** अनुसंधान और वाणिज्यीकरण के बीच की खाई को पाटने के लिए डिज़ाइन किया गया एक समर्पित पेटेंट डेटाबेस।
- **INFYMEET:** एक सहज नया प्लेटफ़ॉर्म जो देश भर में शैक्षणिक कार्यक्रमों और सम्मेलनों के बारे में लोगों को सूचित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **शोधगंगा 2.0 (बीटा):** शodhगंगा 2.0 बीटा में एक नया तकनीकी स्टैक और DSpace का एक नया संस्करण है, जो तेज़ खोज क्षमता और बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करता है।
- **ओपन सोल (बीटा):** ओपन सोर्स की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित करते हुए, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने अपने अत्यधिक लोकप्रिय सॉफ्टवेयर फॉर यूनिवर्सिटी लाइब्रेरीज़ (सोल) का ओपन संस्करण (बीटा) लॉन्च किया।

- **जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा: आइडियाथॉन प्रस्तुति:**

भविष्योन्मुखी अनुसंधान का समर्थन करने के अपने मिशन के अनुरूप, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने एक आइडियाथॉन का आयोजन किया, जिसमें अकादमिक चुनौतियों को हल करने के लिए नवोन्मेषी प्रस्तावों को आमंत्रित किया गया। निम्नलिखित शॉर्टलिस्ट किए गए विचार दोपहर सत्र के दौरान प्रस्तुत किए गए:

- **प्रस्तुति 1 - इन्फ्लिबनेट के लिए एआई चैटबॉट:** इन्फ्लिबनेट के लिए तैयार एक प्रस्तावित एआई चैटबॉट, जो उपयोगकर्ताओं को इसकी व्यापक शैक्षणिक सेवाओं को नेविगेट करने और पूछताछ करने में मदद करेगा।
- **प्रस्तुति 2 - एकीकृत शोधकर्ता एकीकरण:** शोध-चक्र, शोधगंगोत्री, शोधगंगा, विद्वान, और आईआरआईएनएस जैसे प्लेटफ़ॉर्मों पर शोधकर्ताओं और पर्यवेक्षकों के लिए लिंक्ड डेटा और अद्वितीय आईडी-आधारित एकीकरण की वकालत करने वाला एक प्रस्ताव। इसका लक्ष्य डेटा की पुनरावृत्ति को कम करना, असंगतियों को दूर करना, और समग्र डेटा गुणवत्ता में काफी सुधार करना है।
- **प्रस्तुति 3 - CLiSLE (पाठ्यक्रम-लिंक्ड स्मार्ट लाइब्रेरी इंजन):** एक बुद्धिमान पारिस्थितिकी तंत्र जो पुस्तकालयों को निष्क्रिय भंडारों से सक्रिय शैक्षणिक भागीदारों में बदलता है। यह "पाठ्यक्रम-से-सामग्री पुल" के रूप में कार्य करता है, जो NEP-2020 पाठ्यक्रमों को स्वयम (SWAYAM), शोधगंगा (Shodhganga), और ई-पीजी पाठशाला (e-PG Pathshaala) जैसे विश्वसनीय डिजिटल संसाधनों से स्वचालित रूप से जोड़ता है। यह अनोखा एआई-जनित सामग्री का पता लगाने के लिए एक अकादमिक ईमानदारी रडार (AIR) पेश करता है और व्यक्तिगत सीखने के लिए अकादमिक क्रेडिट बैंक को एकीकृत करता है।
- **प्रस्तुति 4 - IKS-NET:** एक प्रस्तावित राष्ट्रीय, इन्फ्लिबनेट-नेतृत्व वाला खोज और नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म जो पूरी तरह से भारतीय ज्ञान प्रणालियों (IKS) को समर्पित है। इसका उद्देश्य विभिन्न विषयों में IKS पर काम करने वाले विद्वानों और बुद्धिजीवियों की प्रोफाइल बनाना है, और IKS अनुसंधान को राष्ट्रीय स्तर पर दृश्यमान, जुड़ा हुआ और खोजने योग्य बनाने के लिए एक ज्ञान-प्रणाली-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाना है।
- **प्रस्तुति 5 - रिसर्च कंपैनियन:** एक एकीकृत वेब-आधारित प्लेटफ़ॉर्म जो शुरुआती चरण के शोधकर्ताओं को विषय परिष्करण, साहित्य खोज, उद्धरण प्रबंधन और अकादमिक नेटवर्किंग में सहायता करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह मार्गदर्शित विषय सुझाव और मेटाडेटा-आधारित साहित्य सिफारिशें, साथ ही स्वैच्छिक मेंटर ऑप्ट-इन सिस्टम प्रदान करता है, ये सभी स्केलेबिलिटी सुनिश्चित करने के लिए एक हल्के एमवीपी दृष्टिकोण पर बनाए गए हैं।

- **ओपन डे 2026: नवाचार और पुस्तकालय उत्कृष्टता का जश्न**: दोपहर का एक प्रमुख आकर्षण महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा (MSUB) को उनके पुस्तकालय के भीतर "रिसर्च कॉर्नर" के अनुकरणीय

कार्यान्वयन के लिए रिसर्च कॉर्नर पुरस्कार प्रदान करना था। अनुसंधान के प्रति उनके निरंतर समर्पण का समर्थन करने के लिए, हमें प्लानर 2026 में भाग लेने के लिए एक कर्मचारी सदस्य को पूर्ण प्रायोजन प्रदान करने पर गर्व है।

ओपन डे 2026: समापन सत्र और निष्कर्ष

- ओपन डे 2026 का समापन एक समापन सत्र के साथ हुआ, जिसमें आइडिथॉन, इन्फ्लिबनेट रील प्राइज़ और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करने के लिए एक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। उपस्थित लोगों ने हैंड्स-ऑन ओपन हाउस दौरों के लिए गहरी सराहना व्यक्त की, जिसने इन्फ्लिबनेट परियोजना टीमों के साथ सीधे बातचीत करने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान किया।
- पुस्तकालय निदेशालय, गुजरात के निदेशक, डॉ. पंकज गोस्वामी, समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने संबोधन में, उन्होंने भारत की सबसे बड़ी डिजिटल लाइब्रेरी, नामो सेंट्रल लाइब्रेरी की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला, और विशेष रूप से इसके विकास में निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका के लिए इन्फ्लिबनेट केंद्र को श्रेय दिया।
- डॉ. अभिषेक कुमार (वैज्ञानिक-ई, इन्फ्लिबनेट केंद्र) ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने इन्फ्लिबनेट के कर्मचारियों और उत्साही प्रतिभागियों के अथक प्रयासों को स्वीकार किया। राष्ट्रगान के गायन के साथ कार्यक्रम का औपचारिक समापन हुआ।

चित्र 17: इन्फ्लिबनेट ओपन डे 2026 के समापन सत्र की झलकियाँ

ओपन डे 2026: समग्र प्रभाव

इन्फ्लिबनेट ओपन डे 2026 ने अपने उद्देश्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। शोधगंगा 2.0 और ओपन सोल जैसे महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म लॉन्च करके, ओ.एन.ओ.एस. की सफलता पर विचार करके, और व्यापक आइडियाथॉन के

माध्यम से युवा नवप्रवर्तकों की बातें सुनकर, केंद्र ने भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली के तकनीकी अग्रदूत के रूप में अपनी स्थिति को फिर से स्थापित किया। पूरे दिन के इस कार्यक्रम का यूट्यूब पर सीधा प्रसारण किया गया: [https://youtube.com/live/gt6nBnEDaGQ?feature=share]।

भारतीय अनुसंधान अवसंरचना में सेमांटिक इंटरऑपरेबिलिटी को आगे बढ़ाने पर इन्फ्लिबनेट संगोष्ठी

इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर ने, 6 मार्च 2026 को DES पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में आयोजित 'समाज के लिए डेटा-एआई हार्मनीज़ पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी' (रेज़ोनेंस 2026) के हिस्से के रूप में "भारतीय अनुसंधान अवसंरचना में सेमांटिक इंटरऑपरेबिलिटी को आगे बढ़ाना" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। यह चर्चा भारत के अनुसंधान सूचना पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए सेमांटिक इंटरऑपरेबिलिटी और नॉलेज ग्राफ़ प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित थी।

प्रो. देविका पी. मडलाइ, निदेशक, इन्फ्लिबनेट केंद्र, ने विशेषज्ञों के साथ मिलकर, शोध सूचना अवसंरचना को बढ़ाने और विद्वान संसाधनों की खोज क्षमता में सुधार करने के उद्देश्य से, इन्फ्लिबनेट की मौजूदा और भविष्य की पहलों में सेमांटिक वेब प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप की खोज की।

बैठक में, प्रो. सोरेन आउर, लाइब्निज़ सूचना केंद्र फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (TIB) के निदेशक और लाइब्निज़ यूनिवर्सिटी हनोवर में प्रोफेसर, ने अपने मूल्यवान विचार साझा किए। उन्होंने बड़े शोध संग्रहों को परस्पर जुड़े ज्ञान प्रणालियों में बदलने की संभावना पर प्रकाश डाला, जो इन्फ्लिबनेट की एकीकृत शैक्षणिक ज्ञान अवसंरचना बनाने की दृष्टि के साथ निकट रूप से मेल खाती है। विशेष रूप से, उन्होंने मशीन उपभोग और मानवीय व्याख्या के लिए डेटा को FAIR बनाने तथा अर्थपूर्ण अंतर-संचालनीयता को सक्षम करने के लिए अवधारण-शास्त्र (ontologies) के उपयोग को बढ़ावा दिया।

अन्य विशेषज्ञों ने भी शोध डेटा को एआई-तैयार बनाने के लिए एक सेमांटिक परत को शामिल करने पर इसी तरह के विचार व्यक्त किए। इस बात पर सहमति बनी कि यूरोपीय और भारतीय अनुसंधान अवसंरचनाओं के बीच और अधिक पारस्परिक सहयोग से सभी को बहुत लाभ होगा।

चित्र 18: इन्फ्लिबनेट संगोष्ठी की झलकियाँ

08 मार्च 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 की शुभकामनाएँ और 10 मार्च 2026 को इन्फ्लिबनेट केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम की रिपोर्ट

केंद्र में काम करने वाली महिलाओं के मुद्दों और चिंताओं को संबोधित करने के लिए, निदेशक, इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 की धारा 4 की उप-धारा (1) की शर्तों के अनुसार एक आंतरिक शिकायत समिति (ICC) का गठन किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए, केंद्र में महिला कर्मचारियों का एक औपचारिक मिलन-सह-बैठक आयोजित की गई।

चित्र 19: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस @इन्फ्लिबनेट पर औपचारिक मिलन समारोह की एक झलक

इसके अलावा, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए, 10 मार्च 2026 को इन्फ्लिबनेट केंद्र में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रोफेसर सुजाता सोनी ओनाट्टू, निदेशक, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, और समन्वयक, समान अवसर प्रकोष्ठ, गुजरात विश्वविद्यालय ने "महिला दिवस मनाना: शिक्षित करें, प्रबुद्ध करें और सशक्त बनाएं" पर एक भाषण दिया।

आईसीसी समिति की वैज्ञानिक-सी (एल.एस.), डॉ. सुरभी ने कार्यक्रम का समन्वय किया और स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया और केंद्र में आईसीसी समिति तथा इसकी गतिविधियों का एक अवलोकन दिया।

निदेशक, इनफ्लिबनेट केंद्र, प्रो. देविका पी. मडलाइ ने केंद्र में एक सुरक्षित और समावेशी कार्यस्थल को बढ़ावा देने में आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका पर प्रकाश डाला, साथ ही जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान को भी रेखांकित किया।

उद्घाटन सत्र के अंत में, श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.), ने सभी गणमान्य व्यक्तियों और कर्मचारियों का औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव रखा। डॉ. रोमा असनानी, एसटीओ (एल.एस.), ने कार्यक्रम का संचालन किया। कुल 120 कर्मचारियों ने इस संवेदनशीलता कार्यक्रम में भाग लिया।

चित्र 20: 10 मार्च 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह की एक झलक

25 मार्च 2026 को राजभाषा हिंदी कार्यक्रम

केंद्र में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और उपयोग के अंतर्गत 25 मार्च 2026 ककंप्यूटर में यूनिकोड टाइपिंग'कंप्यूटर में यूनिकोड टाइपिंग' प्रशिक्षण, हिंदी पर एक विशेष व्याख्यान और मुहावरॉन का खेल (क्विज़) आयोजित किए गए। श्री गौरव प्रकाश, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.), ने प्रशिक्षण सत्र का संचालन किया।

केंद्र में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और उपयोग के अंतर्गत, 25 मार्च 2026 को इन्फ्लिबनेट केंद्र में 'कंप्यूटर में यूनिकोड टाइपिंग' प्रशिक्षण, हिंदी पर एक विशेष व्याख्यान, और मुहावरों का खेल (क्विज़) आयोजित किया गया। श्री गौरव प्रकाश, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.), ने प्रशिक्षण सत्र संचालित किया।

चित्र 21: 25 मार्च 2026 को हिंदी राजभाषा कार्यक्रम की एक झलक

नवीन नियुक्तियाँ

श्री राजा वी., वैज्ञानिक-डी (कंप्यूटर विज्ञान)

श्री राजा वी. 27 फरवरी 2026 को वैज्ञानिक-डी (कंप्यूटर विज्ञान) के रूप में इन्फ्लिबनेट केंद्र में शामिल हुए। इन्फ्लिबनेट केंद्र में शामिल होने से पहले, वह सितंबर 2015 से केंद्र में वैज्ञानिक-सी और बी के रूप में काम कर रहे थे। उससे पहले, उन्होंने भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), बेंगलुरु, और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद में काम किया था। वह भौतिकी में स्नातक हैं और उन्होंने कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) में मास्टर की डिग्री की है। उन्हें विभिन्न संस्थानों में 17 से अधिक वर्षों का शैक्षणिक और अनुसंधान अनुभव है। वर्तमान में, वह केंद्र में सॉफ्टवेयर, अनुसंधान और विकास समूह के सदस्य हैं। वे विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं जिनमें "राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क" (एनआईआरएफ), इनफेड (इंडियन एक्सेस मैनेजमेंट फेडरेशन), ईएनबीए, यूजीसी योजनाएं, पीएनएमएमटीटी, आदि शामिल हैं। उन्हें नीदरलैंड के अनुसंधान और शिक्षा संघों द्वारा एक प्रतिष्ठित इंजीनियर के रूप में चुना गया था और उन्होंने जून 2019 में यूरोप में एस्टोनिया का दौरा किया और एक प्रस्तुति दी। उन्हें पूरी छात्रवृत्ति के साथ भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है और उन्होंने न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, सिंगापुर और कई अन्य जगहों पर एशिया प्रशांत उन्नत नेटवर्किंग समूह (APAN) की कई बैठकों में भाग लिया है। उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में क्लाउड कंप्यूटिंग, रैंकिंग पद्धति, दूरस्थ परिसर पहुँच उपकरण, सर्वर प्रशासन और संस्थागत रिपॉजिटरी शामिल हैं। उन्होंने विभिन्न सम्मेलनों/कार्यशालाओं में 100 से अधिक आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान दिए हैं।

श्री सागर भीमराव गजबे, वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान)

श्री सागर भीमराव गजबे 30 मार्च 2026 को इन्फ्लिबनेट केंद्र में वैज्ञानिक-बी (पुस्तकालय विज्ञान) के रूप में शामिल हुए। इससे पहले, उन्होंने भारतीय सांख्यिकी संस्थान (ISI), बेंगलुरु केंद्र के पुस्तकालय में वैज्ञानिक सहायक के रूप में, और दस्तावेजीकरण अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र (DRTC), ISI बेंगलुरु में वरिष्ठ अनुसंधान फैलो के रूप में कार्य किया। उन्होंने डीआरटीसी, आईएसआई बेंगलुरु से पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में मास्टर डिग्री, और मुंबई विश्वविद्यालय से सूचना प्रौद्योगिकी में इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने स्कोपस और WEB OF SCIENCE (वेब ऑफ साइंस)-सूचीबद्ध पत्रिकाओं में कई लेख प्रकाशित किए हैं। उनकी शोध रुचियों में डिजिटल पुस्तकालय, डेटा प्रबंधन, अनुसंधान डेटा सेवाएं, ज्ञान संगठन, और सेमंटिक वेब प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।

आगंतुक (औद्योगिक और शैक्षणिक दौरे)

संस्थागत आगंतुकों का विवरण			
क्र. सं.	**संस्थान का नाम**	**छात्रों की संख्या**	**आगमन की तिथि**
1	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, चारोटार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (CHARUSAT), चांगा		11.02.2026
2	डीएलआईएस, मंगळूर विश्वविद्यालय, मंगळूर		16.02.2026
3	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, चरोतर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (CHARUSAT) विश्वविद्यालय, चांग		30.03.2026

1. चारुसत विश्वविद्यालय, चांगा, गुजरात के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के छात्रों ने, विभागाध्यक्ष श्री भौमिक शाह के मार्गदर्शन में, 11 फरवरी 2026 को इन्फ्लिबनेट केंद्र का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.), इन्फ्लिबनेट केंद्र ने इन्फ्लिबनेट गतिविधियों और सेवाओं पर एक

अंतर्दृष्टिपूर्ण सत्र दिया, जिससे प्रतिभागियों को राष्ट्रीय शैक्षणिक सूचना संसाधनों के बारे में मूल्यवान ज्ञान प्राप्त हुआ।

2. कर्नाटक के मैंगलोर स्थित मैंगलोर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग के छात्रों ने, विभागाध्यक्ष प्रो. उमेषा नाइक के मार्गदर्शन में, 16 फरवरी, 2026 को इन्फ्लिबनेट केंद्र का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, डॉ. एच जी होसामनी, (एल.एस.) सलाहकार, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने इन्फ्लिबनेट की गतिविधियों और सेवाओं पर एक विचारशील सत्र दिया, जिससे प्रतिभागियों की इन्फ्लिबनेट की गतिविधियों और सेवाओं के प्रति दृष्टिकोण समृद्ध हुआ।

3. कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, चारुसत विश्वविद्यालय ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चांगा, गुजरात के छात्रों ने, विभागाध्यक्ष डॉ. अमित ठक्कर के मार्गदर्शन में, 30 मार्च 2026 को इन्फ्लिबनेट केंद्र का दौरा किया। इस दौरे के दौरान, श्री मनोज कुमार के., , वैज्ञानिक एफ (सी.एस.), इन्फ्लिबनेट केंद्र ने प्रतिभागियों के लिए इन्फ्लिबनेट गतिविधियों और सेवाओं पर एक जानकारीपूर्ण सत्र दिया।

स्टाफ समाचार / कर्मचारी समाचार

प्रो. देविका पी. मडल्ली, निदेशक

- प्रो. देविका पी. मडलाइ को 26 से 28 जनवरी 2026 तक बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित 'चार्ल्सटन कॉन्फ्रेंस एशिया 2026: पूरे एशिया में शैक्षणिक पुस्तकालयन और विद्वान प्रकाशन को आगे बढ़ाना', जिसकी थीम "बीच की लहरों: खुले समुद्रों में नेविगेट करना" थी, में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने "भारत का ओएनओएस और उससे आगे: ज्ञान संसाधनों तक समान पहुंच" विषय पर मुख्य भाषण दिया, जिसमें उन्होंने विद्वान जानकारी तक समान पहुंच को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय शैक्षणिक ज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाने के लिए भारत की रणनीतियों पर जोर दिया।
- प्रो. मडलाली ने 2 से 6 फरवरी 2026 तक बेंगलुरु में आयोजित, "कृषि और व्यापक वैज्ञानिक अनुसंधान प्रणालियों में न्यायसंगत डिजिटल अवसंरचना और ज्ञान साझा संपदा के लिए सहयोग" विषय पर आयोजित तीसरे डायमंड ओपन एक्सेस वैश्विक शिखर सम्मेलन में एक पैनलिस्ट के रूप में कार्य किया। 5 फरवरी 2026 को, प्रो. मडला ने "विद्वान ज्ञान संसाधनों तक पहुंच का लोकतंत्रीकरण: देश भर के उच्च शिक्षा संस्थानों (HEIs) के लिए एक समान अवसर का निर्माण" शीर्षक से एक भाषण दिया, जिसमें डायमंड ओए पहलों के तहत विद्वान जानकारी तक समान पहुंच का विस्तार करने के लिए भारत की पहलों पर प्रकाश डाला गया।
- प्रो. मडला को 25 फरवरी 2025 को हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, प्रो. रंगानाथन लाइब्रेरी साइंस स्टडी सेंटर, और चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी, हरियाणा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "डॉ. एस. आर. रंगनाथन की पुस्तक वर्गीकरण: भारतीय संस्कृति का एक नया अध्याय" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)

- श्री मनोज कुमार के. ने 11 मार्च 2026 को गुजरात के अहमदाबाद स्थित निर्मा विश्वविद्यालय में यूजी और पीजी अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए "अनुसंधान में सत्यनिष्ठा: वैज्ञानिक लेखन में नैतिकता और साहित्यिक चोरी" पर एक आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.)

- 04 जनवरी 2026 को विश्रामबाग स्थित वालचंद कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (एक स्वायत्त संस्थान) में "परिणाम-आधारित शिक्षा और मान्यता (ऑनलाइन)" पर एफडीपी के दौरान एक ऑनलाइन सत्र दिया।
- 07 जनवरी 2026 को EFL विश्वविद्यालय में "आई.आर.आई.एन.एस. और इन्फ्लिबनेट सेवाओं, जैसे ओ.एन.ओ.एस., Shodh-Chakra, Shodhganga आदि (ऑफ़लाइन) पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम" का सत्र दिया।
- 8 तारीख को "शैक्षणिक समुदाय के लिए इन्फ्लिबनेट सेवाएँ" विषय पर एक सत्र दिया[थ]जनवरी 2026 को शिक्षा विभाग, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद, गुजरात में, शिक्षक शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों, शिक्षक शिक्षकों और छात्र शिक्षकों के लिए आईसीटी और उभरती प्रौद्योगिकियों पर केंद्रीय शिक्षा प्रौद्योगिकी संस्थान (CIET), एनसीईआरटी के साथ तीन-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (FDP) के दौरान।
- यूजीसी-एमएमटीटीसी, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एमओओसी पर ऑनलाइन लघु-अवधि कार्यक्रम के दौरान 09 जनवरी 2026 को "उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) के लिए इनफ्लिबनेट सेवाएँ" विषय पर ऑनलाइन सत्र दिया।
- यूजीसी-एमएमटीटीसी, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा आयोजित एफआईपी के दौरान 2[4]जनवरी 2026 को "ऑनलाइन शिक्षा और यूजीसी" विषय पर ऑनलाइन सत्र दिया।
- यूजीसी-एमएमटीटीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम के दौरान, 23 जनवरी 2026 को "इन्फ्लिबनेट और विश्वविद्यालय प्रणाली के लिए इसका महत्व" विषय पर ऑनलाइन सत्र दिया।
- 31 जनवरी 2026 को गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, गुजरात में आयोजित तीसरे पीएच.डी. पर्यवेक्षकों की बैठक में अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने और विचारों तथा सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान के लिए एक सहयोगात्मक और सहायक वातावरण को बढ़ावा देने हेतु एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- यूजीसी-एमएमटीटीसी, उत्तर-पूर्वी पहाड़ी विश्वविद्यालय, शिलांग द्वारा आयोजित 20वें संकाय इंडक्शन प्रोग्राम में 5 फरवरी 2026 को "शैक्षणिक समुदाय के लिए इन्फ्लिबनेट सेवाएं" और 06 फरवरी 2026 को "आई.आर.आई.एन.एस. और शोध-चक्र" विषय पर ऑनलाइन सत्र दिया।
- यूजीसी-एमएमटीटीसी, एमएसयू, वडोदरा में 14 फरवरी 2026 को उच्च शिक्षा प्रशासकों के सशक्तिकरण पर ऑफ़लाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान "ई-लर्निंग में भारत की पहल" विषय पर एक सत्र दिया।
- 21 फरवरी 2026 को ICMR-NIMR, नई दिल्ली में SAMVAD 2026 (विद्वानों की सभा, जो अपने विकास को आगे बढ़ाने के लिए अगली पीढ़ी के उद्यमों के लिए है) द्वारा "डॉक्टोरल अनुसंधान का समर्थन करने वाले राष्ट्रीय शैक्षणिक संसाधन" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 28 फरवरी 2026 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय ,अमरकंटक, मध्य प्रदेश में MMTTC द्वारा आयोजित "सामाजिक विकास (अंतर्राष्ट्रीय) में नीतियां, कार्यक्रम और सेवाएं" विषयक रिफ्रेशर कोर्स के दौरान विषय विशेषज्ञ के रूप में एक आमंत्रित ऑनलाइन सत्र प्रस्तुत किया।
- 11 मार्च 2026 को यूजीसी-एमएमटीटीसी, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात के लिए "ई-लर्निंग में पुस्तकालयाध्यक्ष की भूमिका" विषय पर एक आमंत्रित ऑनलाइन सत्र विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रस्तुत किया।
- 24 मार्च 2026 को कर्नाटक सरकार के महाविद्यालयीन शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला की थीम "शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए पुस्तकालय प्रबंधन और सेवाओं को आगे बढ़ाना" के अंतर्गत "शिक्षण, अधिगम और अनुसंधान के लिए इन्फ्लिबनेट संसाधनों का प्रभावी उपयोग" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- एक शिक्षाविद् के रूप में, डॉ. अभिषेक तेजपुर विश्वविद्यालय, असम, और गणपत विश्वविद्यालय, गुजरात में पीएचडी विद्वानों के सह-सुपरवाइजर की भूमिका भी निभाते हैं।

डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)

- डॉ. कृति त्रिवेदी ने 26 से 28 जनवरी 2026 तक बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित चार्ल्सटन कॉन्फ्रेंस एशिया में भाग लिया। उन्हें सम्मेलन के दौरान "स्टीवर्डशिप से निर्देशात्मक कार्रवाई तक: प्रकाशन कार्यप्रवाह के हिस्से के रूप में पुस्तकालय" शीर्षक सत्र में एक पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था, जहाँ उन्होंने अनुसंधान अखंडता और गुणवत्ता आश्वासन पर बात की।

श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)

- श्री दिनेश रंजन प्रधान ने 23 मार्च 2026 को सीईपीटी विश्वविद्यालय में "शैक्षणिक पुस्तकालयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: खोज से अनुसंधान सहायता तक" शीर्षक से आयोजित एडीनेट सेमिनार में भाग लिया।

श्री स्वप्निल पी पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)

- आमंत्रित व्याख्यान सत्र दिए गए: 1) संस्थागत रिपॉजिटरी और डीस्पेस प्लेटफ़ॉर्म का अवलोकन; 2) DSpace का उपयोग करके एक संस्थागत रिपॉजिटरी बनाने पर 29 जनवरी 2026 को गांधीनगर के यूएमए आर्ट्स और नतीबा कॉमर्स महिला कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय ऑफ़लाइन कार्यशाला में "DSpace के लिए सिस्टम वातावरण तैयार करना: पूर्वपेक्षाएँ और कॉन्फ़िगरेशन" पर आमंत्रित व्याख्यान सत्र दिए, जो कि ज्ञान कंसोर्टियम ऑफ़ गुजरात (KCG) द्वारा प्रायोजित था।

श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)

- 14 फरवरी 2026 को स्वामीनारायण विश्वविद्यालय, कलोल, गांधीनगर, गुजरात में ऑफ़लाइन विशेषज्ञ वार्ता श्रृंखला में उच्च शिक्षा के लिए आई.आर.आई.एन.एस. और इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर आमंत्रित व्याख्यान दिए।
- एम.एस. विश्वविद्यालय, वडोदरा में 09 से 14 फरवरी 2026 तक आयोजित "उच्च शिक्षा प्रशासकों का सशक्तिकरण (2025-26)" पर ऑफ़लाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में, अनुसंधान दृश्यता और सहयोग को बढ़ाने के लिए VIDWAN और आई.आर.आई.एन.एस. के उपयोग पर आमंत्रित व्याख्यान दिए। वडोदरा, गुजरात, में 10 फरवरी 2026 को।
- 04 फरवरी 2026 को आंध्र प्रदेश के राजामहेंद्रवरम स्थित आंध्र प्रदेश माध्यमिक शिक्षा आयुक्तालय, संकाय विकास अकादमी, सरकारी कॉलेज में 04 से 06 फरवरी 2026 तक आयोजित "पाठ्यचर्या और प्रशासनिक सुधार" पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में "एक राष्ट्र एक सदस्यता: एक अवलोकन" पर आमंत्रित व्याख्यान दिए।
- 17 मार्च 2026 को जयकर नॉलेज रिसोर्स सेंटर, एसपीपीयू, पुणे में आयोजित कार्यशाला के दौरान इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर सत्र संचालित किए।

श्री राजा वी., वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)

- 10 फरवरी 2026 को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित ओरेकल एआई वर्ल्ड टूर मुंबई में भाग लिया।
- 04 फरवरी 2026 को, आंध्र प्रदेश के राजामहेंद्रवरम स्थित सरकारी कॉलेज, फैकल्टी डेवलपमेंट अकादमी, आंध्र प्रदेश के आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, आंध्र प्रदेश में 04 फरवरी से 06 फरवरी 2026 तक आयोजित "पाठ्यचर्या और प्रशासनिक सुधार" पर तीन-दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में इन्फ्लिबनेट गतिविधियों और सेवाओं पर एक (ऑनलाइन) व्याख्यान दिया।

श्री पल्लव प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)

- वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत में, "उत्कृष्टता के लिए मार्गदर्शन: नवाचार और नेतृत्व के लिए अनुसंधान मेंटर्स को सशक्त बनाना", पीएम-उषा योजना (मेरु घटक) के तहत, 9 से 10 फरवरी 2026 तक आयोजित, राज्य-स्तरीय कार्यशाला "उत्कृष्टता के लिए मार्गदर्शन:
- 10 फरवरी 2026 को, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत के विश्वविद्यालय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित, पुस्तकालयाध्यक्षों और नोडल अधिकारियों के लिए इन्फ्लिबनेट की सभी सेवाओं पर एक कार्यशाला का संचालन किया।
- 14 फरवरी 2026 को, मिजोरम विश्वविद्यालय में 5 से 18 फरवरी 2026 तक चल रहे यूजीसी-एमएमटीटीसी (UGC-MMTTC) के पुस्तकालय और सूचना विज्ञान ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में "शिक्षा और अनुसंधान के लिए इन्फ्लिबनेट गतिविधियाँ और सेवाएँ" पर एक ऑनलाइन सत्र दिया।
- 17 मार्च 2026 को जयकर नॉलेज रिसोर्स सेंटर, एसपीपीयू, पुणे में आयोजित कार्यशाला के दौरान इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर सत्र आयोजित किए।

डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)

- डॉ. सुरभि ने 9 जनवरी 2026 को जीटीयू लाइब्रेरी की बैठक में भाग लिया।

श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)

- 14 फरवरी 2026 को स्वामीनारायण विश्वविद्यालय, गांधीनगर में "आई.आर.आई.एन.एस., शेरनी (SheRNI), LIB-VAHINI और इन्फ्लिबनेट सेवाओं के उपयोगकर्ता-अनुकूल अनुप्रयोग" पर एक विशेषज्ञ वार्ता दी।
- 10 मार्च 2026 को ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय (LNMU) में इन्फ्लिबनेट गतिविधियों और सेवा पर कार्यशाला के दौरान आई.आर.आई.एन.एस. और ऑर्सिड(ORCID) पर व्याख्यान दिया।

डॉ. धर्मेश शाह, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)

- 10 फरवरी 2026 को मुंबई के जिओ वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित ओरेकल एआई वर्ल्ड टूर मुंबई में भाग लिया।
- 17 मार्च 2026 को GIFT सिटी, गांधीनगर में ऑराकल APEX बूटकैंप में भाग लिया।
- 13 मार्च 2026 को गुजरात के चांग, चारोटार विश्वविद्यालय ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (CHARUSAT) के स्मृति चंदाबेन मोहनभाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (CMPICA) में BLIS के छात्रों और पुस्तकालय पेशेवरों के लिए "ज्ञान प्रबंधन और पुस्तकालयों में एआई और वेब 3.0 की भूमिका" पर एक सत्र देने हेतु विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित।

श्री विजयकुमार एम. श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)

- 29 जनवरी 2026 को यूएमए आर्ट्स और नाथिबा कॉमर्स महिला कॉलेज, गांधीनगर द्वारा आयोजित और ज्ञान कंसोर्टियम ऑफ गुजरात (केसीजी) द्वारा प्रायोजित "डीस्पेस का उपयोग करके संस्थागत रिपॉजिटरी बनाना" पर दो दिवसीय कार्यशाला में एक विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। कार्यशाला के दौरान, उन्होंने "DSpace बैकएंड की स्थापना एवं विन्यास" और "DSpace फ्रंटएंड (उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस) की स्थापना एवं विन्यास" पर सत्र संचालित किए।

श्री हेमंत कुमार, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.)

- 23 मार्च 2026 को, गुजरात के अहमदाबाद में स्थित CEPT विश्वविद्यालय में आयोजित ऑफ़लाइन ADINET सेमिनार में, शैक्षणिक पुस्तकालयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: खोज से अनुसंधान सहायता तक पर पैनल चर्चा में आमंत्रित किया गया और भाग लिया।

डॉ. रोमा अस्नानी, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.)

- 9 से 10 फरवरी 2026 को वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत में आयोजित, प्रधानमंत्री-उषा योजना (मेरु घटक) के अंतर्गत राज्य-स्तरीय कार्यशाला "उत्कृष्टता के लिए मार्गदर्शन: नवाचार और नेतृत्व के लिए अनुसंधान मेंटर्स को सशक्त बनाना" में ओ.एन.ओ.एस. पर आमंत्रित विशेषज्ञ सत्र दिए।
- 10 फरवरी 2026 को वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत में विश्वविद्यालय केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित, पुस्तकालयाध्यक्षों और नोडल अधिकारियों के लिए ओ.एन.ओ.एस. पर एक कार्यशाला का संचालन किया।
- "द लाइब्रेरी C.O.R.E.: (अनुपालन, आउटपुट, अनुसंधान और विकास)" शीर्षक के एक दिवसीय ई-सेमिनार के दौरान "इन्फ्लिबनेट केंद्र अनुसंधान सहायता सेवाएँ" पर विषय विशेषज्ञ के रूप में एक ऑनलाइन वार्ता दी। – डिजिटल युग में शैक्षिक गुणवत्ता बनाए रखना", जो 23 मार्च 2026 को आयोजित किया गया था, और इसका आयोजन महात्मा गांधी कला, विज्ञान और एन.पी. वाणिज्य कॉलेज, अर्मोरी, गढ़चिरौली के पुस्तकालय विभाग द्वारा रेणुका कॉलेज, नागपुर और मणीलाल दलाल कला और वाणिज्य कॉलेज, गोंदिया के सहयोग से किया गया था।

श्री अतुलकुमार तिवारी, एसटीए-I (सी.एस.)

- 31 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक अहमदाबाद में आयोजित लाराकॉन इंडिया 2026 में भाग लिया।

क्षेत्रीय समाचार/सोशल मीडिया में इन्फ्लिबनेट

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय का इन्फ्लिबनेट केंद्र के साथ एमओयू

एमओयू दिखाते केविवि के प्रो. रणजीत कुमार चौधरी व प्रो. देविका पी. मदल्ली.

प्रतिनिधि, मोतीहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने गांधीनगर गुजरात स्थित इन्फ्लिबनेट सेंटर अर्थात सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र के साथ आधिकारिक तौर पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं. इस साझेदारी का उद्देश्य विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अनुसंधान परिदृश्य में बदलाव लाना और इसकी वैश्विक अनुसंधान दृश्यता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना है.कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने इस बात पर जोर दिया कि यह सहयोग एक सशक्त अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो विद्वानों को वैश्विक मंच पर अपने बौद्धिक योगदान को प्रदर्शित करने के लिए विश्व स्तरीय डिजिटल उपकरण प्रदान करेगा.बढ़ी हुई वैश्विक दृश्यता: इन्फ्लिबनेट के प्लेटफार्मों के साथ एकीकृत होने से, विश्वविद्यालय के शोध परिणाम, जिनमें शोध प्रबंध और थीसिस शामिल हैं, भारतीय इलेक्ट्रॉनिक थीसिस के प्रमुख भंडार शोधगंगा के माध्यम से वैश्विक शैक्षणिक समुदाय के लिए सुलभ होंगे. शैक्षणिक सत्यनिष्ठा और गुणवत्ता: यह साझेदारी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनिवार्य उन्नत साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले उपकरणों और शैक्षणिक सत्यनिष्ठा प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करती है.विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति और गांधी नगर, गुजरात स्थित इन्फ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. मदल्ली ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए.इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. रणजीत कुमार चौधरी ने कहा कि यह एमओयू कुलपति प्रो. श्रीवास्तव की दूरदर्शी सोच से प्रेरित एक ऐतिहासिक कदम है.